डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

क्षेत्रवार रणनीति बनाकर कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ें - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में कोरोना के नए मामले पाँच हजार से कम

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण तेजी से कम हो रहा है। प्रदेश में कोरोना के प्रतिदिन नए प्रकरण पांच हजार से कम हो गए हैं। प्रदेश के 40 जिलों में कोरोना पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से कम हो गई है, वहीं 9 जिलों में यह पांच प्रतिशत से भी कम है। प्रदेश के जिन जिलों में पिछले कुछ दिनों से प्रकरण कम नहीं हो रहे हैं, वहां क्षेत्रवार रणनीति बनाकर तथा किल कोरोना अभियान एवं कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कर संक्रमण की चेन तोड़ी जाए। इस माह के अंत तक प्रदेश के सभी जिलों में कोरोना संक्रमण को समाप्त करने के हरसंभव प्रयास करने हैं, जिससे आगामी माह से जन-जीवन सामान्य करने की दिशा में प्रयास किए जा सकें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीधी जिले की समीक्षा के दौरान कहा कि सीधी में पिछले तीन दिनों से लगभग 80 प्रकरण रोज आ रहे हैं। प्रकरणों में गिरावट नहीं आ रही है। प्रकरण स्थिर हैं। अतः संक्रमण की चेन नहीं टूटी है। उन्होंने कहा कि संक्रमण की चेन हर हालत में टूटनी चाहिए। सिंगरौली जिले में भी पिछले कुछ दिनों से लगभग 90 प्रकरण रोज आ रहे हैं, प्रकरणों में गिरावट नहीं हो रही है। वहां भी किल कोरोना अभियान एवं कोरोना कर्फ्यू का सख्त पालन कर संक्रमण समाप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

कालाबाजारी पर 72 लोगों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में नकली रेमडेसिविर बेचने वालों, कालाबाजारी करने वाले 72 व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा अधिक शुल्क लिए जाने पर अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कुल 265 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए मरीजों के परिजनों को एक करोड़ नौ लाख रुपये की राशि वापस दिलाई गई है।

दोनों जिलों के कलेक्टर ध्यान दें कि तेंदूपत्ता तुड़ाई के दौरान सभी सावधानियां अनिवार्य रूप से रखी जाएं।

तीन जिलों में 200 से अधिक नए प्रकरण

प्रदेश के तीन जिलों में 200 से अधिक नए प्रकरण तथा नौ जिलों में 100 से अधिक नए प्रकरण आए हैं। इंदौर में 1072, भोपाल में 693, जबलपुर में 336, उज्जैन में 197, सागर में 187, रतलाम में 162, रीवा में 158, ग्वालियर में 135 और शिवपुरी जिले में 102 नए प्रकरण आए हैं।

चालीस जिलों में 10 प्रतिशत से कम पॉजिटिविटी दर

प्रदेश के 9 जिलों में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है, वहीं 40 जिलों में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर है। गुना, छिंदवाड़ा, भिंड, बड़वानी, अशोकनगर, बुरहानपुर, झाबुआ, खंडवा, अलीराजपुर में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है तथा इन जिलों सहित जबलपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, दमोह, होशंगाबाद, शहडोल, मंदसौर, सतना, धार, बालाघाट, रायसेन, देवास, मुरैना, कटनी, उमरिया, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, छतरपुर, मंडला, सिंगरौली, आगर-मालवा, सिवनी, डिण्डौरी, दतिया, श्योपुर, नरसिंहपुर, हरदा, टीकमगढ़, निवाड़ी तथा नीमच में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर है।

बीस हजार 856 मरीजों का निःशुल्क इलाज

प्रदेश में कोविड के 20 हजार 495 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। इनमें से 12 हजार 643 का शासकीय अस्पतालों में, 2260 का अनुबंधित अस्पतालों में तथा 5953 मरीजों का मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत सम्बद्ध निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना में मरीजों के इलाज पर शासन द्वारा 7 करोड़ 45 लाख 55 हजार 850 रुपए व्यय हुये हैं।

किल कोरोना अभियान के अंतर्गत प्रदेश की 80 प्रतिशत ग्रामीण जनता का सर्वे किया जा चुका है। 20 मई की स्थिति में 3075 टेस्ट में से 237 प्रकरण पॉजीटिव आए हैं।

सतपुड़ा और भेड़ाघाट

यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की संभावित सूची में शामिल

भोपाल, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व और जबलपुर के भेड़ाघाट-लम्हेटा घाट को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची में शामिल किया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि अब मध्यप्रदेश ऐसा राज्य बन गया है, जहां से दो स्थलों को यूनेस्को विश्व धरोहरों की प्राकृतिक श्रेणी की संभावित सूची में शामिल किया गया है। अगले चरण में इन स्थलों का नॉमिनेशन डॉजियर यूनेस्को द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि संभावित स्थलों की सूची में विशिष्ट विशेषताओं वाले स्थलों को ही शामिल किया जाता है। श्री शुक्ला ने बताया कि इस उपलब्धि में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, वन विभाग और वाइल्ड लाइफ इन्स्टीट्यूट देहरादून का विशेष योगदान रहा। मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड ने मध्यप्रदेश में संभावित स्थलों की पहचान एवं उनकी विशेषताओं के आधार पर उत्कृष्ट स्थलों के चयन का कार्य देहरादून स्थित डब्ल्यू.आई.आई. केटेगरी-2 सेन्टर को सौंपा था।

कक्षा दसवीं की परीक्षा नहीं होगी आयोजित

भोपाल, कोरोना संक्रमण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं की परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने संक्रमण के संभावित खतरे की रोकथाम करने के उद्देश्य से और छात्रहित में वर्तमान परिस्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये यह निर्णय लिया है। कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर 12वीं, 12वीं (व्यावसायिक), डिप्लोमा इन प्री-स्कूल एजुकेशन, शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षाओं की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षायें आगामी आदेश तक स्थगित की गई हैं।

खास खबर

चने की समर्थन मूल्य पर खरीद 5 जून तक होगी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में चने के समर्थन मूल्य पर खरीदी की तिथि अब 5 जून तक कर दी गई है, पहले यह तिथि 15 मई थी। किसानों की मांग पर यह निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसी भी किसान का चना समर्थन मूल्य से नीचे नहीं बिकने देंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को बढ़ाई गई तिथि अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

कोरोना नियंत्रण के लिये

मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाइयों में चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

इंदौर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर से विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से वर्चुअल संवाद किया, जिसमें औद्योगिक जगत में वैक्सीनेशन प्लान बनाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक संगठनों और सरकार के बीच इस विषय पर समन्वय करने के लिए प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति और निवेश संवर्द्धन श्री संजय शुक्ला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को इस संबंध में सरकार द्वारा पूरी मदद की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अपील की है कि टीकाकरण के कार्य में कॉर्पोरेट सेक्टर आगे आयें और अपने कर्मचारियों के लिये टीकाकरण का वृहद् अभियान संचालित करें। उन्होंने कहा कि हम मध्यप्रदेश में ही वैक्सीन का निर्माण कर सकें, तो यह बहुत बड़ी सफलता होगी। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में वैक्सीन उत्पादन के लिये इच्छुक, निजी क्षेत्र की कंपनियों को मैं आमंत्रित करता हूं एवं उनसे शीघ्र ही भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से जुड़े कॉर्पोरेट लीडर्स, उद्यमियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे न केवल देश के लिए आवश्यक सामग्री, अधो-संरचनाओं का निर्माण करते हैं, बल्कि लाखों लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध कराते हैं। वे सब अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता और कर्मठता के लिए भी मैं आपका सम्मान करता हूं। कोरोना महामारी के संकट के दौर में उद्योग जगत से जो सहयोग प्राप्त हुआ, उसके लिए आप सभी का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि ऐसा संकट हमने पहली बार देखा है। दूसरी लहर पहले की तुलना से ज्यादा घातक है। आप सबके सहयोग से कोरोना की दूसरी लहर से भी जल्दी निजात पाएंगे। कोरोना की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। प्रदेश में कोरोना की लड़ाई में जन-भागीदारी मॉडल की प्रशंसा प्रधानमंत्री जी ने की है। यहां जिला, विकासखंड तथा ग्राम पंचायत स्तर तक क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाए गए हैं, जो कोरोना से संबंधित निर्णय लेते हैं।

तेन्दूपत्ता संग्राहक होंगे संबल योजना में शामिल - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के खाते में ऑनलाइन पारिश्रमिक राशि अंतरित की।

भोपाल, सभी तेन्दुपत्ता संग्राहकों को संबल योजना में सम्मिलित किया जाएगा। इससे संबल योजना के सभी लाभ और कठिनाई के समय परिवारों को मिलने वाली सहायता तेन्दूपत्ता संग्राहकों को भी उपलब्ध हो सकेगी। कोरोना के कठिन काल में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को जारी लाभांश का वितरण इन परिवारों के लिए राहत भरा होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में तेन्दूपत्ता प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) वितरण कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा निवास से संबोधित करते हुए कहीं। प्रदेश के 37 जिलों की 48 जिला यूनियनों को सिंगल क्लिक से 191 करोड़ 45 लाख रुपये की लाभांश राशि तेन्दूपत्ता संग्राहकों के खातों में सीधे जारी की गई। कार्यक्रम में वन मंत्री कुंवर विजय शाह और प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल भी शामिल हुए। कार्यक्रम से 48 जिला यूनियन के सदस्य ऑनलाइन जुड़े।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

15 मई

वीरता पदक के लिए 30 जून तक कर सकेंगे सिफारिश

● केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए राष्ट्रपति पुलिस पदक सहित विभिन्न वीरता पदकों के लिए ऑनलाइन सिफारिश की समय-सीमा में वृद्धि की है। अब इन पदकों के लिए 30 जून तक सिफारिश की जा सकती है। इसके अलावा सराहनीय सेवा के लिए गृह मंत्रालय द्वारा दिए जाने वाले वीरता सम्मान के लिए सिफारिश करने की समय-सीमा को भी 30 जून तक बढ़ा दिया है।

● संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने ब्रिटिश राजनयिक मार्टिन ग्रिफिथ्स को संयुक्त राष्ट्र की मानवीय

मामलों की एजेंसी का प्रमुख नियुक्त किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने कहा कि ग्रिफिथ्स राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक एवं संचालन दोनों ही रूप में मानवीय मामलों में व्यापक अनुभव रखते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रिफिथ्स यमन में संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष दूत के तौर पर सेवा देते रहेंगे।

● कोलंबिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए हैं। कोलंबिया में टैक्स के बढ़ते बोझ के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ने अब आर्थिक-सामाजिक सुधार आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी पुलिस की बर्बरता को लेकर भड़क गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस की कार्यवाही में अब तक 42 लोगों की मौत हो गई, जबकि 800 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।

16 मई

क्लैट – 2021 परीक्षा हुई स्थगित

● देशभर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली

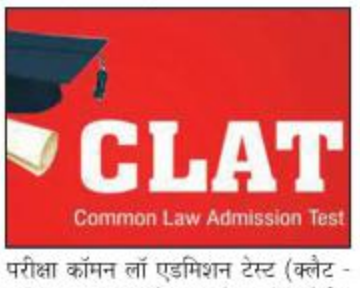

परीक्षा कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट - 2021) एक बार फिर स्थगित हो गई है। यह परीक्षा 13 जून को आयोजित होनी थी। कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (सीएनएलयू) ने कोरोना महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया है। कंसोर्टियम ने कहा है कि परीक्षा की नई तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी। इसके अलावा कंसोर्टियम ने क्लैट परीक्षा के आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ा दी है। कंसोर्टियम ने कहा कि इस वर्ष बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा देने वाले विद्यार्थी भी इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

● भारत की स्वदेशी कोरोना रोधी वैक्सीन 'कोवैक्सीन' कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन पर भी कारगर है। कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने बताया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा किए गए एक शोध में समाने आया कि कोवैक्सीन भारत और ब्रिटेन में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन (बी-1.617 और बी-1.1.7) के खिलाफ असरदार साबित हुई है। भारत बायोटेक ने कहा कि कोवैक्सीन को वैज्ञानिक शोध डाटा के आधार पर एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। यह साबित करता है कि वैक्सीन सभी प्रकार के कोरोना वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी है।

● कोरोना से निपटने के लिए देशभर में चल रहे टीकाकरण के लिए आधार नंबर जरूरी नहीं है। अब पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज लगाकर भी टीकाकरण के लिए पंजीकरण कराया जा सकता है। यह जानकारी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। यूआईडीएआई ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को टीकाकरण के पंजीकरण के लिए परेशानी हो रही है, तो आधार नंबर के अलावा अन्य दस्तावेजों के जरिए भी पंजीकरण कराया जा सकता है।

17 मई

अमेरिका में टीका लगे लोगों को मास्क पहनने से मिली छूट

● कोरोना महामारी का सबसे ज्यादा कहर झेलने वाले अमेरिका में अब हालात सामान्य होने लगे हैं। अमेरिका में अब टीका लगवा चुके लोगों को सलाह दी गई है कि वे बगैर मास्क के बाहर निकल सकते हैं। अमेरिका में ज्यादातर जगहों पर मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा टीका लगवा चुके लोगों के लिए शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करना भी जरूरी नहीं होगा। अमेरिका के इस कदम को देश में कोरोना महामारी के खत्म होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी जनस्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के निदेशक डॉ. रोशले वालेंसकी ने कहा कि अगर आपका टीकाकरण पूरा हो चुका है, तो आप उसी तरह काम करना शुरू कर सकते हैं, जैसे महामारी से पहले करते थे।

● रूस ने अमेरिका और चेक गणराज्य को विरोधी रुख रखने वाले देशों की सूची में शामिल किया है। यह जानकारी रूस के सरकारी कानून सूचना पोर्टल द्वारा जारी एक दस्तावेज में सामने आई है। इस दस्तावेज के अनुसार अब चेक गणराज्य के राजनयिक मिशन को रूस में 19 रूसी कर्मचारी रखने की अनुमति होगी, जबकि अमेरिकी राजनयिक को रूस में स्थानीय कर्मचारी को रखने की अनुमति नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ राजनीतिक टकराव तेज हो जाने के बाद प्रतिकूल कार्रवाई से संबंधित आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद ही प्रतिकूल देशों की सूची तैयार की गई है।

● सशस्त्र सेना बल कॉलेज (एएफएमसी) पुणे से 110 कैडेट को सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा में मेडिकल ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन 110 कैडेट्स में से 94 कैडेट भारतीय सेना में, 10 कैडेट वायु सेना में और छह कैडेट नौसेना में नियुक्त किए गए हैं। इनमें 21 महिला कैडेट भी शामिल हैं।

18 मई

जून माह से सभी अस्पतालों में मिलने लगेगी डीआरडीओ की दवा 2डीजी

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित कोरोनारोधी

दवा 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2डीजी) जून माह में सभी अस्पतालों में मिलने लगेगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने बताया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने इस दवा का पहला बैच इस्तेमाल के लिए जारी किया है। उन्होंने बताया कि अभी यह दवा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स), डीआरडीओ और सेना के अस्पतालों में ही उपलब्ध हो सकेगी। इसके अलावा जहां बहुत ज्यादा जरूरत होगी वहां उपलब्ध कराई जाएगी। डीआरडीओ अध्यक्ष ने बताया कि 2डीजी दवा का दूसरा बैच मई के आखिरी सप्ताह तक आ जाएगा तथा जून माह से इसका नियमित उत्पादन होने लगेगा।

● इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने कोरोना महामारी के इलाज की क्लीनिकल गाइडलाइंस को संशोधित किया है। नई गाइडलाइन में कोरोना वायरस से स्वस्थ हुए व्यक्ति के प्लाज्मा के 'ऑफ लेबल' इस्तेमाल को हटा दिया है। आईसीएमआर ने कहा कि प्लाज्मा थैरेपी को कोरोना के इलाज में प्रभावी नहीं पाया गया है, जिसके बाद इसे ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल से हटाने का फैसला लिया गया है। आईसीएमआर और कोविड-19 पर बनी नेशनल टास्क फोर्स की बैठक में सभी सदस्य प्लाज्मा थैरेपी को क्लीनिकल गाइडलाइंस से हटाने के पक्ष में थे।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा विकसित पोर्टेबल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की तकनीक साझा करने की घोषणा की है। इसरो ने बातया कि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने मेडिकल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर 'श्वास' विकसित किया है, जो मरीजों को हवा में मौजूद ऑक्सीजन से बेहतर स्तर (95 प्रतिशत से ज्यादा) की ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है। यह कंसंट्रेटर प्रेशर स्विंग एड्सार्प्शन के जरिए हवा में मौजूद नाइट्रोजन को अलग करके ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाता है।

19 मई

सीबीएसई 30 जून के बाद जारी करेगा दसवीं कक्षा के परिणाम

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं कक्षा के परिणाम की घोषणा

की तारीख में बदलाव किया है। दसवीं कक्षा का परिणाम 20 जून 2021 को घोषित होना था, लेकिन अब यह परिणाम 30 जून के बाद घोषित किया जाएगा। सीबीएसई ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार सीबीएसई ने दसवीं कक्षा के परिणाम तैयार करने के लिए नया शेड्यूल जारी किया है। नए शेड्यूल के अनुसार स्कूलों को सीबीएसई के पोर्टल पर अंक अपलोड करने की सुविधा शुरू हो गई। स्कूल अब 30 जून तक अंक अपलोड कर सकेंगे। पहले यह समय-सीमा 5 जून थी।

● अमेरिका की दवा निर्माता कंपनियां फाइजर-बायोएनटेक और मॉर्डना की कोरोनारोधी वैक्सीन भारत में पाए गए कोरोना वायरस के वैरिएंट बी-1.617 और बी-1.618 के खिलाफ बेहद प्रभावी पाई गई है। यह दावा अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने शोधकर्ताओं के हवाले से किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार लैब में सेल कल्चर के जरिए पाया गया कि दोनों कंपनियों की वैक्सीन से पैदा होने वाली एंटीबॉडी इन दोनों वैरिएंट के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करती है। शोधकर्ताओं ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि लैब में प्रयोग के नतीजों से साफ हो गया है कि जिन लोगों ने इन वैक्सीनों के टीके लगवाए हैं, वो इन वैरिएंट से सुरक्षित हो गए हैं।

● यूरोपीय देश ग्रीनलैंड में 17 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली बर्फ की चादर पिघलने लगी है। विश्वभर के वैज्ञानिकों ने इस पर चिंता व्यक्त की है। जर्मनी के पोट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के वैज्ञानिकों ने कहा कि बर्फ के लगातार पिघलने से तापमान में लगातार वृद्धि होगी। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर बर्फ का पिघलना बंद नहीं हुआ तो 900 वर्षों में पूरी चादर पिघल जाएगी। बर्फ की यह चादर विश्व में अंटार्कटिका के बाद सबसे बड़ी चादर है।

20 मई

आईसीएमआर ने घर में ही कोरोना की जांच किट को दी मंजूरी

● भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कोरोना वायरस के

संक्रमण की पुष्टि के लिए घरों में जांच किट को मंजूरी दी है। इसके अलावा आईसीएमआर ने रैपिड एंटीजन टेस्ट (रैट) किट के इस्तेमाल को लेकर भी एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में कहा गया है कि जो लोग रैट टेस्ट में पॉजीटिव पाए गए हैं, उन्हें कोरोना संक्रमित माना जाए, उन्हें दोबार टेस्ट या आरटीपीसीआर टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा रैट टेस्ट में जो भी सिम्टोमैटिक लोग नेगेटिव पाए जाएं उनकी आरटीपीसीआर जांच कराई जानी है आईसीएमआर ने कहा कि घरों में जांच की इजाजत सिम्टोमैटिक मरीजों के मामले में ही दी गई है। किट से जांच में पॉजीटिव पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को तुरंत लेबोरेटरी से सम्पर्क करने के लिए कहा गया है। किट से जांच संबंधित कंपनी द्वारा दिए गए यूजर मैन्युअल के अनुसार करनी होगी। उल्लेखनीय है कि पुणे की माय लैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस ने कोरोना की घर में ही जांच की किट तैयार की है। इसे आईसीएमआर से मंजूरी मिली है।

● आयकर विभाग सात जून से अपना नया ई-फाइलिंग पोर्टल 'इनकम टैक्स डॉट जीओवी डॉट इन' लॉन्च करने जा रहा है। इसके लिए आयकर विभाग ने करदाताओं और विभागीय अधिकारियों को ई-फाइलिंग से संबंधित काम एक जून से पहले निपटाने को कहा है। आयकर विभाग ने कहा कि नए पोर्टल के लॉन्च की तैयारी के लिए विभाग के मौजूदा पोर्टल इनकम टैक्स इंडिया ई-फाइलिंग डॉट जीओवी को एक से छह जून तक बंद रखा जाएगा विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे कोई भी सुनवाई और शिकायत 10 जून के बाद ही लें।

21 मई

सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाई

● सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (सीबीडीटी) ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। सीबीडीटी ने आयकर रिटर्न दाखिल करने की अवधि 30 सितम्बर 2021 तक बढ़ाई है। पहले यह समय-सीमा 31 जुलाई 2021 तक थी। इसके अलावा सीबीडीटी ने टैक्स ऑडिट आकलन की समय-सीमा भी 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 30 नवम्बर कर दी है। सीबीडीटी ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की समय-सीमा 30 सितम्बर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर की है।

● चीन ने समुद्र की निगरानी के लिए एक नया उपग्रह भेजा है। यह उपग्रह प्रत्येक मौसम में समुद्री पर्यावरण पर निगरानी रखने वाली प्रणाली को बनाने का काम करेगा। यह उपग्रह समुद्री आपदाओं की समय पूर्व चेतावनी देगा। चीन की सरकारी मीडिया शिन्हुआ के अनुसार एक लॉन्ग मार्च-4 बी रॉकेट के जरिए उत्तर पश्चिम चीन में जिउक्वुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से हेयांग-2डी (एचवाई-2डी) उपग्रह लांच किया गया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680

No./IPRO/E.E./2021/184 Date: 13/05/2021

//प्रेस विज्ञप्ति//

निविदा सूचना क्रमांक/184/13.05.2021 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत भवन निर्माण/अन्य कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा 2021_RVSKV_142611_1 आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 07.06.2021 तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

R-45532/2021

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 38, अंक 21 24.05.2021 से 30.05.2021

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011

फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

ब्लैक फंगस के उपचार के लिए पांच मेडिकल कॉलेजों में विशेष वार्ड

ब्लैक फंगस के प्रकरणों की जल्द पहचान के लिए संपूर्ण प्रदेश में तत्काल व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की जरूरत है। प्रत्येक वार्ड और ग्राम स्तर पर ब्लैक फंगस के प्रकरणों की तत्काल पहचान के लिए आवश्यक रणनीति विकसित कर एडवाइजरी जारी की जाए। इससे ऐसे प्रकरणों में तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ ऑफिसर्स के साथ कोविड नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये भविष्य की कार्ययोजनाओं पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आयोजित 'विचार मंथन' को भोपाल स्थित अपने निवास से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ब्लैक फंगस के उपचार के लिये 5 मेडिकल कॉलेजों भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इन्दौर और रीवा में विशेष वार्ड बनाने के निर्देश भी दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के विरुद्ध अभियान जनता के सहयोग से संचालित किया गया। जिले से लेकर ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन समूहों और अन्य माध्यमों से जनता के सहयोग से लड़ी गई कोविड के विरुद्ध लड़ाई में सफलता मिली है। इससे प्रदेश में संक्रमण नियंत्रित हुआ है। इस दिशा में लंबी लड़ाई बाकी है। राज्य सरकार हर स्तर पर अपनी रणनीति में सुधार के लिये सुझाव और चर्चा को जरूरी मानती है। मध्यप्रदेश आदर्श रूप से कोविड नियंत्रण कर सके, इस उद्देश्य से ही विशेषज्ञों और अधिकारियों की यह बैठक बुलाई गई है। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ ऑफिसर्स से कोविड-19 के प्रबंधन में समाज की सहभागिता बढ़ाने, कोविड नियंत्रण के लिये आवश्यक आदतों और व्यवहार को स्थायी रूप से जीवन का हिस्सा बनाने, निजी और शासकीय अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, नागरिकों को स्वस्थ जीवनचर्या अपनाने के लिये प्रेरित करने, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के विस्तार और अन्य राज्यों तथा देशों की वेस्ट प्रेक्टिसेस तथा उनकी प्रदेश के लिये प्रासंगिकता के संबंध में सुझाव मांगे। इसके साथ ही पोस्ट कोविड केयर की प्रक्रिया, ब्लैक फंगस की स्थिति और बचाव, कोरोना की तीसरी वेव को ध्यान में रखते हुये आवश्यक तैयारियों और कोरोना के बाद हमारा व्यवहार कैसा हो इस संबंध में सुझाव आमंत्रित किये गये। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने प्रदेश में कोविड-19 के प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में बताया गया कि फ्रंट लाइन वर्कर्स के उत्साह और मनोबल को बनाये रखना आवश्यक होगा। जनभागीदारी और जनसहयोग से ही ऋणनीति क्रियान्वित की जाये। मंदसौर, उमरिया, दमोह और निकटवर्ती राज्यों से लगे जिलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कम संख्या वाले जिलों में भी सावधानी रखें, टेस्ट करते रहें, एम्स, आईसीएमआर, नीति आयोग का एक ही हेल्थ प्रोटोकॉल आये, अलग-अलग नहीं। मेडिकल कॉलेजों से अस्पतालों को जोड़ा जाये। मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के मेंटर की भूमिका पर आयें। कोमोर्बिडिटी पर विशेष ध्यान रखा जाये। मौतें कैसे रोकें इसके लिये समीक्षा की सही व्यवस्था हो। ट्रेसिंग और अन्य नॉन-मेडिकल कार्यों में स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाये। बैठक में कहा गया कि विदेश में पढ़कर आये लगभग 8 से 10 हजार डॉक्टरों के एक्जिट एग्जाम नहीं हुये हैं। इस कारण वे देश में सेवायें नहीं दे पा रहे हैं। एमसीआई से निवेदन कर एग्जिट एक्जाम करवा कर इन डॉक्टरों की सेवायें ली जानी चाहिये। कोरोना के साथ ब्लैक फंगस की मार भी प्रदेश को झेलनी पड़ रही है। प्रदेश सरकार इन बीमारियों के उपचार की भरसक व्यवस्था कर रही है। उम्मीद है जल्दी ही इन बीमारियों से प्रदेश को छुटकारा मिल सकेगा।

कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोत्तरी के आसार

दुनिया में कार्बन का उत्सर्जन एक गंभीर समस्या है। समय-समय पर इसकी जांच इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) करती रहती है। इस एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल कार्बन डाई-ऑक्साइड के उत्सर्जन में इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी बढ़ोत्तरी हो सकती है। एजेंसी द्वारा रिपोर्ट में पेश किये गये आंकड़ों के अनुसार इस साल कार्बन उत्सर्जन में लगभग 5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि इस साल कार्बन उत्सर्जन 2019 के स्तर से नीचे रहना चाहिये, लेकिन वैश्विक ऊर्जा मांग इसके महामारी से पहले की दरों को पार करने का अनुमान लगा रही है, जिससे 2022 और उससे आगे कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि हो सकती है। एजेंसी के मुताबिक कोयले का उपयोग कार्बन उत्सर्जन की प्रमुख वजह होगा। बिजली की मांग कार्बन वृद्धि में तीन चौथाई वृद्धि के लिये जिम्मेदार है। गौरतलब है कि 2020 में वैश्विक स्तर पर कार्बन डाई-ऑक्साइड के उत्सर्जन में 5.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी। यह अब तक की सबसे बड़ी कमी थी। अब निर्माण और शिपिंग का काम दोबारा सामान्य स्थिति में लौटने और लगातार ऊर्जा खपत में इजाफा होने से कम हुआ कार्बन का स्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। ऐसे में 2021 में कार्बन उत्सर्जन 2019 के शीर्ष उत्सर्जन से सिर्फ 1.2 प्रतिशत कम होने की उम्मीद है।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व दूरसंचार एवं सूचना दिवस 17 मई

दूरसंचार क्रांति ने सबको एक-दूसरे से जोड़ा है

तकनीक कुछ भी नहीं सबसे जरूरी लोगों का विश्वास है, लोग पहले से ही स्मार्ट और अच्छे हैं। ऐसे में यदि आप उनके हाथ में टूल्स देते हो तो वे कमाल कर देते हैं। एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स का यह कथन बिलकुल सटीक है क्योंकि संचार के साधनों का सही दिशा में व्यक्ति उपयोग करके अपनी जिंदगी को आसान बना रहा है। दूरसंचार के माध्यम जैसे रेडियो से लेकर टेलीविजन, मोबाइल, इंटरनेट, सैटेलाइट और सोशल मीडिया के विकास की कहानी भी काफी दिलचस्प है। हर दौर में नई जिज्ञासाओं और पहले से नवीन आविष्कार की चाह ने संभावनाओं और सफलताओं के नए द्वार खोले। दूरसंचार माध्यमों की शुरुआत तो टेलीग्राफ के आविष्कार के साथ ही हो गई थी, जो समय के साथ अत्याधुनिक होती गई। 1844 में सैमुअल मॉर्स ने टेलीग्राफ यानी तार के जरिए वाशिंगटन और वाल्टिमोर के बीच न्यूज भेजने का प्रदर्शन करके दिखाया। इसके बाद संदेशों और सूचनाओं को विद्युत चुम्बकीय तरंगों के जरिए भेजने का प्रयास शुरू हुआ और 1864 में स्कॉटिश भौतिक विज्ञानी जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने अपने समीकरणों के इस्तेमाल से पहली वार माइक्रोवेव प्रतिलेख की खोज की। लेकिन इस क्षेत्र में सबसे क्रांतिकारी आविष्कार जर्मन भौतिकशास्त्री हेनरिक हर्ट्ज ने 1888 में किया। जब उन्होंने विद्युत चुम्बकीय तरंगों यानी इलेक्ट्रॉनिक्स वेव को उत्पन्न किया और उसे स्थानांतरित करने में सफलता प्राप्त की। बाद में इसी इलेक्ट्रॉनिक्स वेव्स पर रेडियो, टीवी और मोबाइल का आविष्कार हुआ और देखते-देखते संचार के इन माध्यमों ने पूरी दुनिया को बदल डाला। मैक्सवेल के सिद्धांत पर ही 1893 में गुग्लियो मार्कोनी ने पहली बार विद्युत चुम्बकीय तरंगों को तीन किलोमीटर भेजकर दूरसंचार के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने साबित कर दिया कि दुनिया में कहीं भी लंबी दूरी तक बिना तार के संदेश भेजे जा सकते हैं। यानी मार्कोनी का वह आविष्कार हमारी आज भी ताकत बना हुआ है। लगातार चल रहे सूचना और संचार तकनीक के इस संघर्ष और सफलता के सफर की ताकत की अहमियत को याद रखने और इस क्षेत्र में निरंतर नए सोपान गढ़ने के लिए ही प्रतिवर्ष विश्व दूरसंचार एवं सूचना सोसाइटी दिवस 17 मई को मनाया जाता है।

चुनौतीपूर्ण समय में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को तेज करना

प्रतिवर्ष विश्व दूरसंचार एवं सूचना सोसाइटी दिवस हर एक वर्ष एक विशेष थीम पर मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम Accelerating Digital Transformation In Challenging Times अर्थात चुनौतीपूर्ण समय में डिजिटल परिवर्तन को गति देना है। कोरोना की इस त्रासदी से एक वर्ष संघर्ष करने के बाद जब लगा था कि अब आजादी मिलने वाली है और हमारी जिंदगी फिर से पहले जैसी होने वाली है। एक बार फिर यह संकट गहरा गया है। ऐसे में बच्चों के स्कूल एक बार फिर डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही शुरू हो गए हैं, तो ऑफिस जाने की बजाय अधिकांश आबादी दोबारा अपने घरों से ही काम करने में जुटी हुई है। ऐसे में बैंकिंग, किराने का सामान लाना हो या फिर अपनों के संपर्क में रहना, टेलीमेडिसिन के माध्यम से डॉक्टर से परामर्श लेना हर काम में टेली-कम्युनिकेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सुविधाएं हर व्यक्ति तक पहुंचें हमें

इसे सुनिश्चित करने की जरूरत है, क्योंकि अभी भी कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां नेटवर्क की पहुंच नहीं है तो कहीं जागरूकता के अभाव में व्यक्ति इनका उपयोग करना नहीं जानता है। इंटरनेशनल टेलीकम्युनेशन यूनियन के अनुसार, कोविड-19 ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के महत्व को बताया है, तो वहीं दूसरी तरफ देश के भीतर और देशों के बीच की डिजिटल असमानता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के अनुसार, दुनियाभर में लगभग तीन अरब 60 करोड़ लोग ऑनलाइन सुविधाओं से वंचित हैं, उन्हें भी डिजिटल अभाव के अन्तर से उबारा जाए। ऐसे में इस दिन का महत्वपूर्ण मुद्दा यही है कि इस असमानता को खत्म किया जाए और ज्यादा से ज्यादा लोग दूरसंचार के साधनों का उपयोग बेहतर ज़िंदगी के लिए कर सकें। आईटीयू के महासचिव हॉलीन झाओ का कहना है, 'नया डिजिटल समाज पहले हमारे जीवन में जगह बना चुका था, लेकिन हमने ये कभी कल्पना नहीं की थी कि हमें अपने घरों पर रहकर ही काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और एक-दूसरे से संपर्क कायम करने के लिए केवल डिजिटल औजारों का सहारा लेना पड़ेगा, यहां तक कि कारोबार भी ऑनलाइन ही करना होगा।'

विश्व दूरसंचार दिवस का इतिहास

वर्ष 1865 में अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन अस्तित्व में आया था। उसकी याद में पहली बार 17 मई 1969 को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार दिवस का आयोजन हुआ। नवंबर 2005 में इन्फॉर्मेशन सोसाइटी की वर्ल्ड समिट में संयुक्त राष्ट्र ने 17 मई को विश्व दूरसंचार दिवस मनाने की बात कही। मार्च 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प लिया कि विश्व सूचना सोसाइटी दिवस 17 मई को मनाया जाएगा, उसी वर्ष के अंत में आईटीयू प्लेनिपोटेंशियरी सम्मेलन टर्की में, यह निर्धारित किया गया कि इस आयोजन को विश्व दूरसंचार और सूचना सोसाइटी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यह है कि प्रौद्योगिकियों के महत्व पर ध्यान दिया जाए और साथ ही विभिन्न आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को भी उठाया जाए जो शिखर सम्मेलन में उठाए गए थे।

संचार क्रांति ने आसान की हमारी राह

एक वक्त ऐसा भी था जब सूचना पहुंचाने के लिए इंसानों को एक जगह से दूसरी जगह चलकर जाना होता था और संदेश या सूचना पहुंचाने में महीनों लग जाते थे। फिर संचार माध्यम के रूप में समाचार-पत्र आए। आजादी की लड़ाई में अखबार, रेडियो और पत्र-पत्रिकाओं ने अहम भूमिका निभाई। वहीं आज कोई भी सूचना दुनिया के किसी भी कोने में तुरंत पहुंच जाती है तो इसका श्रेय सिर्फ दूरसंचार और उसके माध्यमों को है। दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला आम आदमी दूरसंचार के नए-नए माध्यमों के जरिए हाईटेक हो रहा है। फसलों को बोने, पानी देने आदि के संबंध में सभी जानकारी से लेकर मौसम की जानकारी के साथ ही शासन की नीति से लेकर नवीनतम सूचनाओं तक को किसान इसी दूरसंचार तकनीक और इंटरनेट के जरिए प्राप्त कर रहे हैं। वहीं बच्चों के स्कूल-कॉलेज में एडमिशन फॉर्म से लेकर ऑफिस में कामकाज के तरीकों में आज काफी बदलाव आ गया है। दूरसंचार माध्यमों की बदौलत ही भारत में ई-गवर्नेंस से लेकर डिजिटल इंडिया कार्यक्रम सफल हो पा रहा है। जिसका मकसद भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत करना है। दूरसंचार के साधनों ने मनोरंजन, समाचार, शिक्षा के विकेंद्रीकरण से लेकर लोगों के जीवनशैली बदलने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हर हाथ में दिखने वाला मोबाइल कभी दूर की कौड़ी लगता था। दुनियाभर में करीब 4 अरब 80 करोड़ लोग मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं जिनमें स्मार्टफोन यूज करने वालों की संख्या करीब 3 अरब 50 करोड़ है, जो दुनिया की आधी आबादी के बराबर है। मोबाइल फोन अब लग्जरी नहीं, बल्कि देश में 115 करोड़ से ज्यादा लोग मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं। देश में दूरसंचार घनत्व कुल जनसंख्या का करीब 88 फीसदी है। शहरी क्षेत्रों में यह घनत्व 144 फीसदी तो ग्रामीण क्षेत्रों में 58 फीसदी के करीब है। मोबाइल ने जहां शहर और गांवों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाई है। सूचनाएं खास और आम हर व्यक्ति के हाथ में हैं। टेलीविजन दूरसंचार के सबसे सशक्त माध्यमों में से एक है जो अपनी जीवंतता और बिना देरी किए खबरों को पहुंचाने के लिए जाना जाता है। यूं तो वैश्विक स्तर पर टेलीविजन का आविष्कार 1925 में स्कॉटलैंड के जॉन लेगी बेयर्ड ने किया था। लेकिन पहले वर्किंग टेलीविजन का निर्माण 1927 में फिलो फान्सवर्थ ने किया। बेयर्ड ने ही रंगीन टेलीविजन का आविष्कार 1928 में किया जिसका पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग 1940 में हुआ और 1960 के दशक से आम जनता ने इसे अपनाना शुरू कर दिया। दुनियाभर में करीब एक अरब 67 करोड़ घरों में टेलीविजन सेट हैं। साल 2018 के दौरान दुनिया भर में 214 मिलियन से ज्यादा टीवी सेटों की बिक्री हुई। भारत की बात करें तो प्रायोगिक तौर पर टेलीविजन का प्रसारण पहली बार 15 सितंबर 1959 को दिल्ली से शुरू हुआ और 1975 तक केवल सात शहरों में ही टेलीविजन सेवा शुरू हो पाई थी। इसके बाद भारत में रंगीन टीवी और राष्ट्रीय प्रसारण 1982 में शुरू हुए। भारत में करीब 200 मिलियन टेलीविजन सेट हैं जो देश के सौ करोड़ से ज्यादा लोगों को सूचना पहुंचा रहे हैं और उनका मनोरंजन कर रहे हैं। टेलीविजन लोगों के मनोरंजन के साथ-साथ समाचार और सूचनाओं की जानकारी देने वाला बेहद सशक्त माध्यम है जिस पर लोग भरोसा करते हैं। दूरसंचार क्रांति को सफल बनाने में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इसमें कोई शक नहीं है कि जिन लोगों की पहुंच इंटरनेट तक है उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंटरनेट ने सिर्फ लोगों के जीवन को ही सरल नहीं बनाया है बल्कि दुनियाभर की असंख्य सूचनाओं तक उनकी पहुंच को संभव किया है। इंटरनेट सिर्फ सूचनाओं के लिहाज से ही नहीं बल्कि सोशल नेटवर्किंग से लेकर स्टॉक एक्सचेंज, बैंकिंग, ई-शॉपिंग आदि कई चीजों के लिए अहम बन चुका है। ई-मेल, चैटिंग, वीडियो और वॉयस चैटिंग आदि से हजारों किलोमीटर की दूरियां सिमटकर अब चंद सेकेंड के फासले में बदल गई हैं।

सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्री विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष : 07582-224269, E-mail : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्र. 1673/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड सागर, दिनांक : 11.05.2021

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अध्यक्ष जिला जल एवं स्व. मिशन सागर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर ई-टेण्डरिंग लिफाफा पद्धति से सागर जिले के विकास खण्ड सागर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नल जल योजना हेतु ऑनलाइन निविद **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। ये मात्र संक्षिप्त सूचना है निविदाकार को सलाह दी जाती है कि निविदा में भाग लेने के पूर्व विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन भी कर लें :-

स. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-टेण्डर क्रमांक	समूह ग्राम	कार्य की अनु. लागत रुपये (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रति समूह	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि
1.	क्र./101/ 04.05.2021	2021_PHED_ 141661_1	बंसिया, बरोदा रहली, नारायणपुर	137.88	137880/-	रु. 12500/-	25.05.21 सायं 5:30 बजे तक
2.	क्र./102/ 04.05.2021	2021_PHED_ 141662_1	चतुर्भटा, बिदवांस, पठा	191.22	191220/-	रु. 12500/-	
3.	क्र./103/ 04.05.2021	2021_PHED_ 141663_1	हनोता कला, गुरैया, बिहारीखेड़ा	135.70	135700/-	रु. 12500/-	
4.	क्र./104/ 04.05.2021	2021_PHED_ 141664_1	मोकलपुर, करैया	191.11	191110/-	रु. 12500/-	
5.	क्र./105/ 04.05.2021	2021_PHED_ 141665_1	समनापुर, हफसिली	78.73	78730/-	रु. 10000/-	

समस्त विवरण **http://www.mptenders.gov.in** वेवसाइट पर/अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है, निविदा प्रपत्र ऑनलाइन ही क्रय व प्रस्तुत करनी होगी। समस्त प्रक्रिय की-डेट्स अनुसार होगी। भविष्य में यदि कोई निविदा आमंत्रण सूचना में संशोधन होता है तो वह ऑनलाइन वेवसाइट पर ही प्रदर्शित होंगे अर्थात समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशित नहीं होंगे।

सदस्य सचिव, जिल जल एवं स्व. मिशन
जी-12539/45529/2021 एवं कार्य. यंत्री लो.स्वा.यां. खंड सागर

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-786/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेण्डरिंग/ भोपाल, दिनांक : 13.05.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेवसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा पत्र दिनांक 14.06.2021 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेवसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_ 142433	सांका श्यामजी स्मारक के संरक्षण हेतु प्रोटेक्शन वण्ड एवं विभिन्न कार्यों का निर्माण कार्य।	राजगढ़	1656.67
2.	2021_WRD_ 142434	वाणसागर परियोजना अंतर्गत क्योटी मुख्य नहर की सिमरौर वितरक नहर अंतर्गत 09 नग शाखा/उपशाखा नहरों के मिट्टी एवं पक्के स्ट्रक्चरों का निर्माण कार्य तथा क्योटी मुख्य नहर के आर.डी. 85930 मी. पर क्रास रेगुलेटर, आर.डी. 87000 मी. से 88930 मी. में नहर चौड़ीकरण का कार्य एवं मुख्य नहर के आर.डी. 25300 मी. में वायें बैंक में रोड मरम्मत कार्य का निर्माण कार्य।	रीवा	1631.56

जी-12552/45530/2021 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड-हरदा

दूरभाष : 07577-223212, फैक्स : 226777, ई-मेल : eephedhar@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदाएं ई-टेडरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mpeproc.gov.in** पर हरदा जिले के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत उच्च स्तरीय टंकी, सम्पवेल, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत संयोजन एवं अन्य कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं।

निविदा क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	ग्रामों की संख्या	निविदा की कुल लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
11/ 2021-22	142511	हरदा	19	353.99	353990/-	15000	9 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केंद्रीकृत पंजीयन प्रणाली
12/ 2021-22	142512	खिरकिया	10	302.04	302040/-	15000	9 माह वर्षाकाल सहित	
13/ 2021-22	142513	खिरकिया	11	274.50	274500/-	15000	9 माह वर्षाकाल सहित	

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की **अंतिम तिथि : 29.05.2021 17:30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि 29.05.2021 17:30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि 31.05.2021 11:00 बजे
निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेवसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेवसाइट पर देखें।

जी-12555/45531/2021 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वा.यां. विभाग, खण्ड हरदा

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02
मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा
सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना- 03/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र-2 द्वारा निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_142752_1, MPPHC_142753_1, MPPHC_142754_1 एवं MPPHC_142755_1 है। निविदा प्रपत्र दिनांक 01.06.2021 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/100751/R-45534/2021

कार्यालय मुख्य अभियंता (राजधानी परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ई-मेल : cepwdcapital@mp.nic.in दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 04/सा/01/विविध/रा.प./2019 (वर्ष 2021) पार्ट-1 भोपाल, दिनांक : 19.05.2021

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम : इटारसी छीपानेर मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 8.90 कि.मी.।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला अथवा परिक्षेत्र	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2021_PWDRB_ 142881_1	संभाग बुधनी (जिला सीहोर)	प्लान	प्रथम	1452.77	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना है।
कार्य का नाम : टोल अधिरोपित करने योग्य यातायात सर्वेक्षण करने हेतु निविदा।						
2.	2021_PWDRB_ 142882_1	राजधानी परिक्षेत्र भोपाल	-	द्वितीय	7.00	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना है।
				योग	1459.77	

उपरोक्त वेवसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.06.2021 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-12636/45536/2021 मुख्य अभियंता (राज. परि.), लोक निर्माण विभाग, भोपाल

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462011

No. 7265/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 18.05.2021

NOTICE INVITING TENDER No. 942 (PMGSY-III, Batch-I Year 2021-22)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work** : Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction
- **SSR Applicable** : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)	S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Agar	13	831410000.00	24.	Mandla	8	817889000.00
2.	Alirajpur	11	462303000.00	25.	Mandsaur	2	180029000.00
3.	Anuppur	11	462155000.00	26.	Morena	5	667782000.00
4.	Ashoknagar	3	259771000.00	27.	Narsinghpur	14	674771000.00
5.	Balaghat	11	811009000.00	28.	Neemuch	6	630896000.00
6.	Barwani	7	1162552000.00	29.	Panna	11	611272000.00
7.	Betul	10	1294156000.00	30.	Raisen	17	1020812000.00
8.	Bhind	10	635414000.00	31.	Rajgarh	7	647538000.00
9.	Burhanpur	7	256307000.00	32.	Ratlam	3	667707000.00
10.	Chhindwara	16	1187911000.00	33.	Rewa	9	515699000.00
11.	Datia	5	403523000.00	34.	Sagar	15	1611671000.00
12.	Dewas	10	579224000.00	35.	Satna	17	983978000.00
13.	Dhar	26	1845590000.00	36.	Sehore	10	510933000.00
14.	Dindori	6	1389415000.00	37.	Seoni	7	514734000.00
15.	Guna	7	504792000.00	38.	Shahdol	13	666124000.00
16.	Gwalior	3	368055000.00	39.	Shajapur	4	315191000.00
17.	Harda	8	479907000.00	40.	Sheopur	5	356630000.00
18.	Indore	2	211584000.00	41.	Shivpuri	5	413243000.00
19.	Jabalpur	8	425487000.00	42.	Sidhi	4	131213000.00
20.	Jhabua	6	821226000.00	43.	Singrauli	6	581951000.00
21.	Katni	6	214727000.00	44.	Ujjain	5	448675000.00
22.	Khandwa	4	684806000.00	45.	Umaria	5	385197000.00
23.	Khargone	7	415524000.00	46.	Vidisha	12	988830000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in .** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **27.05.2021 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **18.06.2021 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/100753/R-45535/2021 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & e-G)**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-03, गोरखपुर
थाने के पीछे 1558 ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.)
पिनकोड-482003, फोन : 0761-4927003
Email : mpphcjabalpur3@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 03 के अंतर्गत जिला-मण्डला के अंतर्गत थाना भवन बिछिया में स्टोर रूम, अधिकारी कक्ष का निर्माण कार्य हेतु एवं थाना मोतीनाला जिला-मण्डला के अंतर्गत नक्सल बैस कैम्प में वॉचटावर के निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण **सूचना क्रमांक-01/2021-22 (Online Tender No. - 2021_ MPPHC_142612 TO 142614)** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 29.05.2021 समय सायं 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/100743/R-45533/2021 **परियोजना यंत्री**

कोविड-19

दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों की देखभाल सरकार की जिम्मेदारी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड के संकट काल में हमारे कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन किया है। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जब हम लोगों से घरों में बने रहने की अपील कर रहे हैं, तब ये कर्मचारी दिन-रात मैदान में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इन्हीं के प्रयासों से व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे में कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं भी हुई हैं। काम करते हुए हमारे कई कर्मचारी भाई-बहन कोविड-19 के दौरान हमसे बिछड़ गए, उनकी जीवन लीला समाप्त हो गई। उनके परिवारों की देखभाल और उनकी चिंता करना हमारी जवाबदारी है। श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए दो योजनाएं बनाई जाएंगी। यह हैं मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना।

मुख्यमंत्री कोविड-19
अनुकम्पा नियुक्ति योजना

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना में समस्त नियमित स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर और आउटसोर्स के रूप में कार्यरत शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत इन सेवायुक्तों की कोविड संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र एक सदस्य को उसी प्रकार के नियोजन में अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कोविड-19
विशेष अनुग्रह योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि राज्य में कार्यरत समस्त, नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, अन्य शासकीय सेवक/सेवायुक्तों की कोविड-19 के कारण आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जायेगी।

श्री चौहान ने कहा कि संकट की स्थिति में यह अनुग्रह राशि उनके परिवारों का संबल बनेगी। इस योजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार इत्यादि कर्मी भी सम्मिलित होंगे। अनुकम्पा नियुक्ति की योजना में आशा कार्यकर्ताओं के लिए भी अलग से योजना बनाई जा रही है ताकि इन परिवारों के जो आश्रित भाई-बहन हैं, उन्हें राहत मिल सके और उनकी आजीविका चलती रहे।

योजनाओं की अवधि

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई नवीन योजनाओं की घोषणा में मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना एक मार्च 2021 से 30 जून 2021 तक लागू रहेगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना 30 मार्च 2021 से 31 जुलाई 2021 तक लागू रहेगी।

प्रदेश के 407 निकायों के 7292 वार्ड में संकट प्रबंधन समिति गठित

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने जानकारी दी है कि प्रदेश के 407 नगरीय निकायों के 7292 वार्ड में संकट प्रबंधन समितियों का गठन किया जा चुका है। इन समितियों का गठन कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए जरूरी कार्यवाही करने के उद्देश्य से किया गया है।

श्री सिंह ने बताया कि 16 नगर निगमों में सभी 884 वार्ड में संकट प्रबंधन समिति का गठन किया जा चुका है। इसी तरह 98 नगर पालिकाओं में 2218 और 293 नगर परिषदों में 4190 वार्ड संकट प्रबंधन समितियों का गठन किया जा चुका है।

मध्यप्रदेश में 31 मई तक कोरोना संक्रमण को करें समाप्त - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण रोकने के लिये 'एरिया स्पेसिफिक' रणनीति बनाएं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण तेजी से कम हो रहा है। अधिकांश जिलों में साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से कम रह गई है तथा नए प्रकरण भी लगातार कम होते जा रहे हैं, वहीं बड़ी संख्या में मरीज स्वस्थ हो रहे हैं। अब कोरोना को समाप्त करने के लिए 'एरिया स्पेसिफिक' रणनीति बनाई जाए तथा आगामी 31 मई तक प्रदेश में कोरोना संक्रमण को समाप्त करने के पूरे प्रयास किए जाएं, जिससे जन-जीवन को धीरे-धीरे सामान्य बनाया जा सके। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये कहीं।

32 जिलों में 10 प्रतिशत से कम पॉजिटिविटी

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 9 जिलों में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है, वहीं 32 जिलों में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। गुना, छिंदवाड़ा, अशोकनगर, बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर, झाबुआ, अलीराजपुर और खंडवा में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है तथा इन जिलों सहित ग्वालियर, होशंगाबाद, मंदसौर, धार, कटनी, सतना, बालाघाट, रायसेन, शाजापुर, नरसिंहपुर, राजगढ़, देवास, विदिशा, सिवनी, मंडला, आगर-मालवा, छतरपुर, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, तथा हरदा में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है।

पंचायत अनुसार योजना बनाएं

मुख्यमंत्री ने सागर जिले की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण रोकने तथा समाप्त करने के लिए पंचायत अनुसार योजना बनाएं। मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने बताया कि सागर जिले में कस्बों में कोविड केयर सेंटर प्रारंभ होने के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुंदेलखण्ड मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त की जाएं।

21 हजार 495 मरीजों का निःशुल्क इलाज

प्रदेश में कोविड के 21 हजार 495 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। इनमें से 13 हजार 785 का शासकीय अस्पतालों में, 2307 का अनुबंधित अस्पतालों में तथा 5403 मरीजों का मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत सम्बद्ध निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना में मरीजों के इलाज पर शासन द्वारा आज की स्थिति में 6 करोड़ 87 लाख 49 हजार 952 रुपये व्यय हुआ।

ग्रामीण क्षेत्रों में 6.3 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्रों में 8.9 प्रतिशत पॉजिटिविटी

प्रदेश में किल कोरोना अभियान के अंतर्गत किए जा रहे गहन सर्वे में ग्रामीण क्षेत्रों में 6.3 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्रों में 8.9 प्रतिशत पॉजिटिविटी पाई गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी तक 4 करोड़ 66 लाख 75 हजार 273 व्यक्तियों (74 प्रतिशत जनसंख्या) का घर-घर सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 3 लाख 61 हजार 938 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 3 लाख 8 हजार 403 व्यक्तियों को निःशुल्क मेडिकल किट्स वितरित की गई। इनमें से 6 हजार 197 व्यक्तियों को कोविड केयर सेंटर्स में भिजवाया गया वहीं 52 हजार 808 को फीवर क्लीनिक रैफर किया गया। इनमें से 3,348 व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए। नगरीय क्षेत्रों में कोरोना सहायता केंद्रों पर 1 लाख 31 हजार 206 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें से 1 लाख 465 व्यक्तियों को निःशुल्क मेडिकल वितरित किए गए। 24 हजार 240 व्यक्तियों को फीवर क्लीनिक भिजवाया गया। इनमें कुल 2,154 व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए।

पीड़ित मानवता की सेवा का है ये महान अवसर - मुख्यमंत्री

अपनी सेवा से मरीजों में नव-जीवन का संचार करें नर्स

मध्यप्रदेश
उमरिया
उमरिया
उमरिया

कोरोना संक्रमण

अनाथ हुए बच्चों को दी जायेगी पांच हजार रुपये मासिक पेंशन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उज्जैन में जिला एवं तहसील स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक को संबोधित करते हुये।

उज्जैन, मध्यप्रदेश में हम कोरोना से जंग जीतने के निर्णायक दौर में पहुंच गये हैं। प्रदेश में पॉजीटिविटी दर लगातार कम होती जा रही है। रिकवरी दर बढ़ रही है। ऑक्सीजन वेड, आईसीयू वेड, रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त व्यवस्था है। ब्लैक फंगस रोग का इलाज भी निःशुल्क किया जायेगा। ब्लैक फंगस से लड़ाई को जन-आन्दोलन का रूप दिया जायेगा। हम सबको एक होकर इससे लड़ना है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन जिले से वेबकास्टिंग के माध्यम से उज्जैन संभाग के सभी जिलों एवं तहसील स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों को सम्बोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में एक-एक पोस्ट कोविड केयर सेन्टर बनाया जायेगा। वर्तमान समय में कोरोना संक्रमण के बाद ब्लैक फंगस और खून के थक्के जमने के कई प्रकरण सामने आये हैं। हमें अब इस नये संकट से भी लड़ाई लड़नी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि वे कोरोना संक्रमण में अपने माता-पिता खो चुके अनाथ बच्चों की सूची बनायें और उन्हें भिजवायें, ताकि ऐसे बच्चों को हर महीने पांच हजार रुपये की राशि दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बच्चों के लिये निःशुल्क राशन एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था शासन द्वारा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उज्जैन जिले में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की।

श्री चौहान ने बताया कि हाल ही में ग्रामीण पथ विक्रेताओं के खातों में राशि पहुंचाई गई है। शीघ्र ही निर्माण श्रमिकों एवं स्व-सहायता समूहों के खातों में भी राशि पहुंचाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि आने वाला समय कोरोना से जंग करने में निर्णायक साबित होगा। इसलिये आगामी 10 से 12 दिन तक जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। दिनांक 31 मई तक जनता कर्फ्यू में ढील नहीं दी जाये।

कोरोनामुक्त पंचायत अभियान चलायें

मुख्यमंत्री ने सभी ग्रुप सदस्यों से कहा कि वे कोरोनामुक्त पंचायत बनाने के लिये अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करें। कोरोनामुक्त पंचायत के बाद कोरोनामुक्त वार्ड एवं कोरोनामुक्त ब्लॉक तथा तहसील भी बनायें। आगामी दिनों में कोरोना केसेस की संख्या शून्य करें। विशेष कार्य-योजना बनायें और संक्रमण किसी भी स्थिति में रोकें।

कोरोना की तीसरी लहर को रोकने की विशेष तैयारी करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम चैन से न बैठें और यह मानकर न चलें कि कोरोना समाप्त हो रहा है। कोरोना एक घातक वायरस है जो कभी भी किसी पर भी वार कर सकता है। विशेषज्ञों ने संभावना व्यक्त की है कि कोरोना की तीसरी लहर अनिवार्य रूप से आनी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी कलेक्टर एवं ग्रुप सदस्य कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिये विशेष तैयारी करें। बच्चों के लिये विशेष वार्ड बनाये जायें, जहां कोरोना से निपटने के लिये आईसीयू वेड, ऑक्सीजन वेड, दवाइयां एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था की जाये।

किल कोरोना अभियान लगातार जारी रहे

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में प्रारम्भ किये गये किल कोरोना अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान के द्वारा घर-घर में सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों को चिन्हित किया जा रहा है और मेडिकल किट देकर संक्रमण को काफी हद तक रोका जा रहा है। यह अभियान लगातार जारी रहे और इसमें पूरी आबादी को कवर किया जाये।

प्रधानमंत्री ने की मध्यप्रदेश के जनभागीदारी मॉडल की सराहना

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर के राज्य और जिले के अधिकारियों के साथ कोरोना महामारी के दौरान उनके अनुभवों के बारे में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कोरोना प्रबंधन में मध्यप्रदेश द्वारा अपनाये गये जन-भागीदारी मॉडल की सराहना की है।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियां बनाई गई हैं। इनमें पक्ष-विपक्ष के सभी राजनैतिक दलों के लोगों को जोड़ा गया है। यह जनता से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है। जन-प्रतिनिधियों को जोड़कर हम उनकी ऊर्जा का उपयोग कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में कर सकते हैं। कोरोना संक्रमण गांवों में फैल रहा है। वहां इसका सामना बिना जनशक्ति और जनसहयोग के नहीं किया जा सकता। ग्राम, वार्ड और जिला स्तर पर जन-प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्री मोदी ने कहा कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में लोगों को जोड़ने की दिशा में अन्य राज्य भी मध्यप्रदेश के समान कार्य करें तो यह प्रभावी सिद्ध होगा।

कोरोना के खिलाफ स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बनायें रणनीति

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि जिलों और राज्यों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाई गई रणनीतियों को क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार दोहराया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण द्वारा देश में कोविड की स्थिति और राज्यों व जिलों द्वारा अपनाई गई बेस्ट प्रेक्टिसेस पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रधानमंत्री के समक्ष हुए बेस्ट प्रेक्टिसेस के प्रस्तुतीकरण में मध्यप्रदेश का जनभागीदारी मॉडल ही एकमात्र राज्य स्तरीय था, जबकि अन्य सभी बेस्ट प्रेक्टिसेस जिला स्तरीय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि जिला, ब्लॉक, पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के गठन से जनभागीदारी सुनिश्चित करने के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश में जनता कर्फ्यू का क्रियान्वयन बहुत प्रभावी रहा। इसके साथ ही कोविड के प्रबंधन और टीकाकरण में भी जनभागीदारी से सहायता मिली। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री द्वारा आगामी समय में कोविड प्रबंधन के लिए दिये गये मार्गदर्शन के लिए आभार माना।

ट्रेसिंग और टेस्टिंग में भी मिला जनता का सहयोग

कलेक्टर इंदौर श्री मनीष सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश में कोरोना के विरुद्ध युद्ध में प्रत्येक स्तर पर जनता का सहयोग लिया जा रहा है। जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियां विद्यमान हैं। इनमें सभी राजनैतिक दलों के सभी स्तर के जनप्रतिनिधि सम्मिलित हैं। इनकी पहल और सहयोग से ही जनता कर्फ्यू का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे संक्रमण की चेन तोड़ने में मदद मिली। जनता का सहयोग ट्रेसिंग और टेस्टिंग में भी मिला। कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने ग्रामीणों द्वारा स्व-प्रेरणा से विभिन्न गतिविधियों में कोरोना बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी दी।

गेहूं उपार्जन में छूटे किसानों को जारी करें एसएमएस

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये हैं कि जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी जारी रखी जाए। प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज अहमद किदवई ने सभी जिला कलेक्टर्स, जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला पंजीयक और जिला प्रबंधक केंद्रीय सहकारी बैंक को निर्देश दिये हैं कि किसानों से खरीदी किसी भी स्थिति में बंद न की जाये। केवल वर्षा के कारण खरीदी अस्थाई रूप से स्थगित की गई है। उन्होंने बताया कि जो किसान छूट गये हैं या फिर 17 से 19 मई 2021 में उनको एसएमएस जारी करे गये थे। उन्हें पुनः खरीदी के एसएमएस जारी कर उपार्जन की कार्यवाही की जाए। इस जानकारी को प्रचारित-प्रसारित भी किया जाये, जिससे शेष रहे किसानों में कोई संशय की स्थिति न रहे। इंदौर एवं उज्जैन संभाग में उपार्जन समाप्त हो चुका है। शेष संभागों में उपार्जन के संबंध में खरीदी के निर्देश दिये गये हैं।

मीडियाकर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों का होगा निःशुल्क इलाज

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के सभी अधिमान्य या गैर-अधिमान्य मीडियाकर्मी और संपादकीय विभाग के कर्मचारियों तथा इनके परिवार के सदस्यों के कोरोना से प्रभावित होने पर उनका निःशुल्क उपचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मीडिया के साथी कोरोना महामारी के काल में जन-जागृति का धर्म निभा रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण के इस विकट संकट में हमारे मीडिया के साथी दिन और रात अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ कर रहे हैं। जनता तक जानकारियां पहुंचाने के अपने धर्म का निर्वहन करते-करते कई मीडियाकर्मी संक्रमित भी हुए हैं, कुछ का दुःखद स्वर्गवास भी हो गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि जो कोरोना संक्रमित हैं, उनके इलाज की उचित व्यवस्था हो। यदि कोई मीडियाकर्मी या उसके परिवार का सदस्य कोरोना संक्रमित होता है तो उसे उसके हाल पर नहीं छोड़ा जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि इस योजना में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के संपादकीय विभाग में कार्य कर रहे सभी पत्रकार, कैमरामैन और फोटोग्राफर सभी को कवर किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना को प्रभावी ढंग से रोकें - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण को समाप्त करने के लिए शहरों में कोविड केयर सेंटर और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे किल कोरोना अभियान की नियमित समीक्षा प्रभारी मंत्री और प्रभारी अधिकारी सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना को फैलने से प्रभावी ढंग से रोकना है। इसके लिए ग्रामीणजनों का व्यापक सहयोग लिया जाए। ग्राम पंचायत में स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन कमेटी, जन-प्रतिनिधि, गांव के वरिष्ठ नागरिक नियमित अंतराल में बैठक कर कोरोना संक्रमण की स्थिति, जन-जागरूकता बढ़ाने और संक्रमण को रोकने के लिए चर्चा करें और ग्रामीणों को जोड़ें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए कि सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार का कोई मरीज छूटे नहीं। मरीज को निःशुल्क मेडिकल किट देकर इलाज की प्रक्रिया तेज की जाए। कोरोना के लक्षणों वाले व्यक्तियों की जांच की जाए। कोरोना टेस्टिंग बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु न हो, इस कार्ययोजना पर पूरी तत्परता से अमल किया जाए।

श्री चौहान ने कहा कि ऐसे परिवार जिसमें कमाने वाले सदस्य की कोरोना की वजह से मृत्यु हो गई है और परिवार के बच्चे बेसहारा हो गए हैं। ऐसे परिवारों की सूची तत्काल तैयार की जाए और उन्हें राज्य शासन की पेंशन योजना का लाभ तुरंत पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लैक फंगस से पीड़ित मरीजों के समाचार प्राप्त हो रहे हैं। सरकार इन सब मरीजों का निःशुल्क इलाज कराएगी। शासन ने पांच मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और रीवा में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए विशेष वार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के लक्षणों के बारे में आम जनता को सरल भाषा में बताया जाए। राज्य शासन के अधिकारी विशेषज्ञों से चर्चा कर इस बीमारी को शुरुआत में ही पहचानने और इलाज के तरीकों के संबंध में एडवाइजरी तैयार करें और जनता तक पहुंचाएं। श्री चौहान ने कहा कि ब्लैक फंगस बीमारी के इलाज के लिए दवाइयों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार और दवा बनाने वाली कम्पनियों से इंजेक्शन की आपूर्ति के संबंध में चर्चा की है। शीघ्र ही आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हो जाएंगी। अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की चर्चा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से कराई गई है। ब्लैक फंगस के संक्रमण और उपचार के संबंध में काफी विस्तार से बात हुई है, जिसका लाभ पीड़ित मरीजों को मिलेगा।

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से बचाव और उपचार के संबंध में विशेषज्ञों, डब्ल्यू.एच.ओ. के अधिकारी और भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्यप्रदेश कैडर के दिल्ली और अन्य स्थानों में पदस्थ अधिकारियों, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों से चर्चा हुई है। उनके सुझाव तो प्राप्त किए ही गए हैं साथ ही उनसे विभागीय सहयोग भी लिया जाएगा। इस संबंध में कार्ययोजना बनाई जा रही है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ब्लैक फंगस के उपचार के लिये टास्क फोर्स बनाई जाये

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिये हैं कि ब्लैक फंगस 'म्यूकॉरमाइकोसिस' के उपचार संबंधी व्यवस्थाओं के लिये एक डेडिकेटेड टास्क फोर्स बनाई जाये, जिसमें स्वास्थ्य मंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री, संबंधित विभागों के ए.सी.एस./पी.एस., ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. एस.पी. दुबे, डॉ. लोकेंद्र दवे तथा अन्य एक्सपर्ट रहेंगे। टास्क फोर्स तुरंत कार्य करना प्रारंभ कर दे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ब्लैक फंगस 'म्यूकॉरमाइकोसिस' की प्राथमिक अवस्था में ही पहचान कर हर मरीज का उपचार करें। इस कार्य को जन-आंदोलन का रूप दिया जाए तथा हर जिले में इसकी जांच की व्यवस्था हो। इस कार्य में निजी चिकित्सकों का भी पूरा सहयोग लिया जाए।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 5 मेडिकल कॉलेज इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर तथा रीवा में इसका निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि इसके उपचार के लिए निजी अस्पताल भी चिन्हित किए जाएं, जहां जरूरी व्यवस्थाएं संभव हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लैक फंगस का इलाज अत्यंत महंगा है। अतः प्रदेश में इसके निःशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

शासकीय के अलावा निजी अस्पतालों को भी दिए जाएंगे इंजेक्शन

श्री चौहान ने कहा कि ब्लैक फंगस के इलाज में लगने वाले एम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन शासकीय चिकित्सा केंद्रों के अलावा निजी अस्पतालों को भी उपलब्धता अनुसार प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश में ढाई हजार एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन प्राप्त हो गए हैं तथा 10 हजार इंजेक्शन शीघ्र ही मॉयलान कम्पनी के प्रदेश को प्राप्त हो जायेंगे। स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में ब्लैक फंगस के 573 प्रकरण 5 मेडिकल कॉलेजों में उपचाररत हैं।

निःशुल्क नेजल एंडोस्कोपी की व्यवस्था

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने बताया कि ब्लैक फंगस की जांच के लिए जिलों में निःशुल्क नेजल एंडोस्कोपी की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में भी इसकी निःशुल्क जांच के लिए डेस्क बनाई जा रही है।

फोन कॉल पर दिव्यांगों को मिलेंगी टीकाकरण और चिकित्सा सुविधाएं

भोपाल, दिव्यांगजनों की जीवन-रक्षा के साथ नित्योपयोगी जरूरतों को पूरा करने के लिये प्रदेश में सक्षम कोविड एक्शन नेटवर्क 'स्केन' का शुभारंभ किया गया। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण श्री प्रतीक हजेला ने कहा कि विभाग सक्षम संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ किये गये नेटवर्क के साथ मध्यप्रदेश समन्वय स्थापित कर दिव्यांगों और उनके परिवार को टीकाकरण, टीकाकरण से संबंधी परामर्श, टेलिमेडिसिन, राशन आदि की सुविधा उपलब्ध करायेगा। श्री हजेला ने आशा व्यक्त की कि 'स्केन नेटवर्क' की मदद से सभी वृद्धजनों और दिव्यांगों का टीकाकरण सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कोविड मरीजों को बेड, ऑक्सीजन, उपचार आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश में हाल ही में पब्लिक-डॉक्टर टेलिमेडिसिन एप लॉन्च कर एलोपैथी, आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। दिव्यांगजन एवं परिवार फोन नम्बर-0120-690-4999 पर कॉल कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

आयुक्त निःशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक ने बताया कि दिव्यांगों के लिये जिला और नगरीय निकाय स्तर पर शासन द्वारा कार्य किया जा रहा है। सक्षम संस्था के साथ संयुक्त टीमें बनाकर दिव्यांगों और उनके परिवारों की सहायता की जायेगी। संस्था द्वारा नियुक्त वॉलेंटियर्स दिव्यांगजन का पंजीयन कर फार्म भरने में सहायता करेंगे। दूरस्थ अंचलों के दिव्यांगों के कोविड वैक्सीनेशन, वाहन न होने की स्थिति में वैक्सीनेशन स्थल तक लाने-ले जाने के लिये वाहन, एम्बुलेंस व्यवस्था, राशन और नित्य उपयोग में आने वाली वस्तुओं को भी उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।

कोरोना के उपचार के साथ ही पोस्ट कोविड केयर पर भी दिया जाये ध्यान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना नियंत्रण कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुये।

भोपाल, सभी जिलों में सख्ती से कोरोना संक्रमण रोकने, अस्पतालों में कोरोना उपचार की उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ ही पोस्ट कोविड केयर पर भी पूरा ध्यान दिया जाए। पोस्ट कोविड दुष्प्रभाव होने पर, जो मरीज होम आइसोलेशन अथवा कोविड केयर सेंटर्स में हैं, उन्हें इलाज की आवश्यकतानुसार अस्पतालों अथवा पोस्ट कोविड सेंटर्स में भर्ती किया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना नियंत्रण कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ चर्चा के दौरान कहीं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत सम्बद्ध किया गया कोई भी निजी अस्पताल, उनके यहां बेड खाली होने पर, योजना के पात्र किसी कोविड मरीज का निःशुल्क उपचार करने से इंकार करे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि जिन क्षेत्रों में किसानों का गेहूं उपार्जन से शेष हो, वहां के उपार्जन केंद्रों की तिथि बढ़ाएं। हर एक किसान का गेहूं खरीदा जाना सुनिश्चित किया जाए।

कोरोना संबंधी लापरवाही पर ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख का जुर्माना

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण कम हुआ है, परंतु हमें थोड़ी भी असावधानी नहीं बरतना है। हर व्यक्ति मास्क लगाए, एक दूसरे के बीच दूरी रखे, साथ ही कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन करे। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी मास्क न लगाने, कोरोना कर्फ्यू का पालन न करने आदि पर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख रुपये का जुर्माना किया गया है।

दो हजार एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन गुजरात से

श्री चौहान ने कहा कि कोविड के पश्चात होने वाले ब्लैक फंगस रोग के इलाज की भी निःशुल्क व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। प्रदेश में इसके इलाज के लिए 2 हजार एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन गुजरात से हवाई जहाज से मंगाए जा रहे हैं।

वैक्सीन का एक भी डोज़ बेकार न जाए

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में किए जा रहे कोविड वैक्सीनेशन कार्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि वैक्सीन का एक भी डोज़ बर्बाद न हो। वेटिंग तथा ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन और वैक्सीनेशन की व्यवस्था भी की जाए।

कोविड मरीजों का निःशुल्क इलाज

प्रदेश में 24 हजार 807 कोविड मरीजों को शासकीय एवं निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। इसमें 17 हजार 377 का सरकारी अस्पतालों में, 2584 मरीजों का अनुबंधित अस्पतालों में तथा 4856 मरीजों का मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत संबद्ध निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। प्रदेश में 441 निजी अस्पताल योजना के अंतर्गत संबद्ध किए गए हैं।

कालाबाजारी पर 55 लोगों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण

प्रदेश में नकली रेमडेसिविर बेचने वालों, कालाबाजारी करने वाले 55 व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा अधिक शुल्क लिए जाने पर अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कुल 232 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए मरीजों के परिजनों को 88 लाख 96 हजार रुपये की राशि वापस दिलाई गई है।

सभी जिलों में आई.सी.यू. और ऑक्सीजन बेड्स उपलब्ध

समीक्षा में पाया गया कि सभी जिलों में कोविड उपचार के लिए आई.सी.यू. बेड्स की उपलब्धता हो गई है। वहीं ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति एवं ऑक्सीजन बेड्स की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश में 76 प्रतिशत व्यक्ति होम आइसोलेशन में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रदेश में लगाए जा रहे 95 ऑक्सीजन प्लांट की प्रगति की जानकारी निरंतर दी जाए। जो प्लांट मई में पूर्ण होने हैं, वे मई में पूर्ण हो जाएं तथा आगे भी समय-सीमा अनुसार प्लांट तैयार होकर चालू हो जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए।

कोविड नियंत्रण कार्यों के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं सामने - स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी उज्जैन जिले में कोरोना नियंत्रण कार्यों का निरीक्षण करते हुये।

उज्जैन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने उज्जैन में कोरोना नियंत्रण के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में कोविड नियंत्रण के प्रभावी कार्यों का सकारात्मक परिणाम सामने नजर आ रहा है। उज्जैन में अन्य जिलों की अपेक्षा किल कोरोना अभियान का दो बार सर्वेक्षण हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिले में ग्रामीण क्षेत्र में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने को लेकर अच्छा कार्य हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिये हैं कि राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये, जिससे योजना का लाभ गरीबों को मिल सके।

डॉ. चौधरी ने कोविड-19 की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि कोरोना चेन को तोड़ने के लिए गंभीरता से निरंतर प्रयास किये जाने होंगे। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी कोरोना संक्रमण में कमी आयेगी, उतनी ही जल्दी आम गतिविधियों को भी खोला जा सकेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले में किये जा रहे कोविड नियंत्रण कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से उज्जैन शहर में पीटीएस एवं प्रशांति गार्डन में कोविड केयर सेन्टर संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में अप्रैल माह में जहां कुल बेड की क्षमता 443 थी, वहीं मौजूदा स्थिति में प्रायवेट एवं सरकारी अस्पतालों को मिलाकर जिले में 2582 कोविड बेड उपलब्ध हैं।

कोविड केयर सेन्टर का निरीक्षण किया

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कोविड केयर सेन्टरों का निरीक्षण किया और सेन्टरों की व्यवस्था का जायजा लिया। कोविड कमांड सेंटर पहुंचकर होम आईसोलेट मरीज से वीडियो कॉल से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि जिले में शासकीय क्षेत्र में उज्जैन शहर में 3 कोविड अस्पताल और ग्रामीण क्षेत्र में 11 कोविड अस्पताल संचालित हैं। इसी तरह निजी क्षेत्र में उज्जैन शहर में 13 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 5 कोविड अस्पताल चल रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा 16 फीवर क्लीनिक, 15 कोविड सहायता केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

बैठक में किल-कोरोना अभियान की जानकारी दी गई। बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में 14 लाख 45 हजार 852 व्यक्तियों का सर्वे करने का लक्ष्य निर्धारित था। इसमें से 14 लाख 33 हजार 136 व्यक्तियों तक 1470 सर्वे टीम द्वारा सर्वे किया गया तथा 8 हजार 81 सस्पेक्टेड चिन्हित किये गये। इन सभी को कोरोना किट वितरित कर दी गई है। सर्वे के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में 224 पॉजिटिव कोरोना मरीजों की पहचान की गई। आयुष्मान भारत योजना के तहत जिले में कुल 17 अस्पताल इंपैनल्ड किये गये गये हैं। जिले में अब तक 6 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बने हैं।

मध्यप्रदेश को मिले सौ और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

भोपाल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग भोपाल स्थित मालवीय भवन, तुलसी नगर स्थित इग स्टोर में 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की प्राप्ति के समय मौजूद रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्राप्त इन कंसंट्रेटर को प्रदेश के विभिन्न जिलों में वितरित किया जायेगा।

श्री सारंग ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के माध्यम से 4000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर अलग-अलग राज्यों को प्राप्त हुए हैं। यह कंसंट्रेटर मरीजों के इलाज के लिये उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिये सरकार लगातार प्रयासरत है। उसी का नतीजा है कि प्रदेश में पॉजिटिविटी रेट में कमी और रिकवरी रेट में बढ़ोत्तरी हुई है। जनता के आत्म-अनुशासन से प्रदेश का स्थान कोरोना के आंकड़ों में नीचे आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की प्रशंसा की है।

श्री सारंग ने कहा कि म्यूकोरमाइक्रोसिस (ब्लैक फंगस) के इलाज के लिये सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पांच मेडिकल कॉलेजों में निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। ब्लैक फंगस के उपचार के लिये टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। अगले 15 दिन म्यूकोरमाइक्रोसिस की प्राथमिक लक्षणों पर पहचान कर उसके उपचार का अभियान चलाया जा रहा है। नेजल एंडोस्कोपी फ्री ऑफ कॉस्ट करने के लिये ईएनटी एसोसियेशन और प्रायवेट सेक्टर से बात की जा रही है। सभी डीन और ईएनटी सर्जन के साथ मिलकर इसके इलाज के लिये विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसके साथ ही इसके इलाज के लिये दवाइयों की समुचित व्यवस्था भी की जा रही है।

मध्यप्रदेश में 2 लाख 78 हजार 949 कोरोना मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किट का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि 19 मई तक की स्थिति में 52 जिलों में 2 लाख 78 हजार 949 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 18 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक के माध्यम से 2 लाख 78 हजार 949 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सादिक खान

दूसरी बार लंदन के मेयर बने

पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश नागरिक सादिक खान दूसरी बार लंदन के मेयर चुने गये हैं। उनकी जीत से लेबर पार्टी को थोड़ीसी खुशी मिली है, क्योंकि अन्य स्थानीय चुनावों में उनकी पार्टी को हताशा ही हाथ लगी है। 51 वर्षीय खान पहली बार 2016 के चुनाव में विजयी हुए थे। उन्हें 55.2 प्रतिशत, जबकि कंजरवेटिव प्रत्याशी बैली को 44.8 प्रतिशत मत मिले हैं।

हेड ऑफ ए बियर

लियोनार्डो द विंची की ड्राइंग होगी नीलाम

इटली के मशहूर चित्रकार लियानार्डो द विंची की बनाई ड्राइंग 'हेड ऑफ ए बियर' आगामी आठ जुलाई को लंदन में नीलाम होगी। मशहूर नीलामी घर क्रिस्टीज इसकी नीलामी करेगा। उसके मुताबिक इसकी शुरुआती कीमत 122 करोड़ रुपये तय की गई है। नीलामी से पहले इसे लंदन, हॉन्गकॉन्ग और न्यूयॉर्क में आयोजित एक प्रदर्शनी में भी रखा जायेगा।

डॉक्टर सना रामचंद्र

पाकिस्तान में हिंदू महिला ने पास की प्रतिष्ठित सीएसएस परीक्षा

पाकिस्तान में पहली बार एक हिंदू महिला सना रामचंद्र ने प्रतिष्ठित सेंट्रल सुपीरियर सर्विसेज (सीएसएस) की परीक्षा पास कर ली है। वे पेशे से डॉक्टर हैं। प्रशासनिक सेवा (पीएएस) के लिये उनका चयन हुआ है। डॉक्टर सना पाकिस्तान के सर्वाधिक हिंदू आबादी वाले सिंध प्रांत के शिकारपुर जिले के ग्रामीण इलाके की रहने वाली हैं। 18 हजार 553 उम्मीदवारों में से 221 अभ्यर्थियों की चयन सूची में सना ने जगह बनाई है। उनकी नियुक्ति असिस्टेंट कमिश्नर के तौर पर होगी।

युवराज सिंह

भारतीय शांतिरक्षक को मरणोपरांत यूएन ने किया सम्मानित

अपने कर्तव्य को निभाते हुये जान गंवाने वाले एक भारतीय शांतिरक्षक को मरणोपरांत सम्मानित किया गया है। इस समारोह में पिछले साल जान गंवाने वाले संयुक्त राष्ट्र के 300 से अधिक कर्मियों को सम्मानित किया गया। कोरपोरल युवराज सिंह 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2020 के बीच ड्यूटी में रहते हुये कोविड-19 तथा संबंधित परिस्थितियें के कारण जान गंवाने वाले कर्मियों में से एक हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र वार्षिक स्मारक सेवा 2021 से सम्मानित किया।

राजेश अग्रवाल

दूसरी बार लंदन के डिप्टी मेयर बने

इंदौर के राजेश अग्रवाल को लंदन के नवनिर्वाचित मेयर सादिक खान ने लगातार दूसरी बार डिप्टी मेयर (बिजनेस) नियुक्त किया है। अग्रवाल का कार्यकाल 2024 तक रहेगा। इससे पहले वे जुलाई 2016 में डिप्टी मेयर बने थे। इंदौर के सेंट पॉल स्कूल से शिक्षा प्राप्त राजेश लंदन में दो कंपनियां संचालित करते हैं। उनका पांच साल का कार्यकाल ब्रैक्सिट और कोविड जैसी चुनौतियों के बीच भी उपलब्धियों से भरा रहा।

फ्लोटिंग 'वॉल-ई' डिवाइस

तैरता उपकरण पक्षियों को बचाएगा

खेतों में पक्षी भगाने के लिए लगाये गये स्केअरक्रो जैसा ही तैरता 'फ्लोटिंग वॉल-ई' डिवाइस तैयार हो गया है। कैमरा युक्त वॉल-ई डिवाइस पक्षियों को मछलियों के जाल में फंसने से बचाएगा। ये पक्षियों को जाल के 50 मीटर के दायरे में आने से रोकेगा। फिलहाल इसकी टेस्टिंग ताल्लिन (एस्टोनिया) में की जा रही है।

एलिजाबेथ नॉर्मन

उभरती एस्ट्रोनॉट का बनाया स्टिकर चांद पर चमकेगा

ब्रिटेन की 7 साल की उभरती एस्ट्रोनॉट एलिजाबेथ नॉर्मन इन दिनों चर्चा में हैं। यह दुनिया की पहली बच्ची हैं, जिसकी बनाई स्टिकर आकृति 'एस्ट्रो लिज लैब' चांद पर जाएगी। यह स्टिकर उस टाइम कैप्सूल में रखा जायेगा, जिसे 1972 में चांद पर ले जाया गया था।

जापान

टेक-फर्म ने सी फूड पसंद करने वालों के लिए पोर्टेबल फिश टैंक बनाया

जापान की एक टेक-फर्म ने सी-फूड पसंद करने वालों के लिए पोर्टेबल फिश टैंक 'कत्युग्यो बैग' तैयार किया है। पारदर्शी होने के साथ-साथ इसमें ऑक्सीजन सप्लाई और मछली के हिसाब से तापमान सेट किया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि लोगों के लिए अब जिंदा मछलियां घर ले जाना आसान होगा। कंपनी 2021 में ही इसे लॉन्च करने जा रही है।

सोलोमन द्वीप

इंसान के बच्चे जितना वजनी मेंढक मिला

सोलोमन द्वीप पर गांव वालों को इंसान के बच्चे जितना वजनी मेंढक मिला है। इसका वजन तकरीबन 1 किलो और लंबाई 10 इंच के लगभग है। स्थानीय कारीगर 35 वर्षीय जिमी ह्यूमो को यह मेंढक शिकार के दौरान जंगल में मिला। इसकी लंबाई और आकार से वह शिशु आकृति का दिखाई दिया।

केपटाउन

मछली के मुंह में मिला पैरासाइट

दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन के पास केप अघुलास में डॉन मार्क्स को मछलियां पकड़ते समय 2.72 किलो वजनी कारपेंटर मछली मिली। इस मछली के मुंह में उन्हें एक शिकारी पैरासाइट मिला, जो मछली की जीभ खा चुका था और उसकी जगह जीभ बन कर बैठ गया था। डॉन ने इस मछली की तस्वीरें नॉर्थ-बेस्ट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर निको स्मिट को भेजी। निको के अनुसार ये पैरासाइट जीभ की जगह खुद चिपक जाते हैं।

लीबिया

चोरी की गई 2200 साल पुरानी संगमरमर की प्रतिमा मिली

2200 साल पुरानी प्रतिमा जिसे दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान लीबिया से लूटा गया था, वह वापस लीबिया आ गई है। कुछ साल पहले इसे लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर जब्त किया गया था। लंदन स्थित ब्रिटिश म्यूजियम ने अब इसे लीबिया सरकार को सौंप दिया है। संगमरमर की यह प्रतिमा अब भी पूरी तरह सुरक्षित और अपनी मूल चमक लिए हुए है।

ग्वाटेमाला

ज्वालामुखी के लावा पर बनाया पिज्जा

ग्वाटेमाला के पेकाया ज्वालामुखी के बहते लावा की नदी पर शेफ डेविड ग्रेसिया ने अस्थाई किचन बनाया है। इस किचन में सामान एकत्रित कर उन्होंने पिज्जा को तैयार किया है। फरवरी के अंत में इस ज्वालामुखी से लावा निकलना शुरू हुआ था। डेविड के इस प्रयास से न सिर्फ स्थनीय लोग, बल्कि पर्यटक भी प्रभावित हो रहे हैं।

शंकर घोष

अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए नामित

कई सम्मानों से विभूषित भारतीय मूल के प्रतिरक्षण विशेषज्ञ शंकर घोष को अमेरिका की प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए चुना गया है। उन्हें यह सम्मान मौलिक अनुसंधान में उल्लेखनीय कार्य जारी रखने के लिए दिया गया है। घोष सिल्वरस्टेन एंड हर फैमिली में माइक्रो बायोलॉजी के प्रोफेसर हैं।

राजकुमारी डायना

50 लाख में बिकी बाइक

एक नीलामी के दौरान दिवंगत राजकुमारी डायना द्वारा शादी के पहले खरीदी गई उनकी बाइक को नीलाम किया गया। इसे मैरीलेंड के एक वकील के 80,000 डॉलर (करीब 50 लाख रुपये) से ज्यादा में खरीदा है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह बाइक राजकुमारी डायना ने उस वक्त खरीदी थी, जबकि उनकी प्रिंस चार्ल्स के साथ सगाई भी नहीं हुई थी। इसकी नीलामी पिछले महीने इंग्लैंड के ईस्ट ससेक्स में शुरू हुई थी। इस नीलामी के दौरान 76 वर्षीय मैरीलेंड के वकील बैरी लेजर ने इसे सबसे ऊंची बोली लगाकर खरीदा।

चेन ली

पेंटिंग बना कर चर्चित हुई

टेक्सास की रहने वाली 60 वर्षीय चेन ली एक हिस्से से लकवाग्रस्त होने के बाद भी एक हाथ से पेंटिंग बना कर चर्चित हो गई हैं। वह जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए रोज एक पेंटिंग बनाकर अपने आर्टिस्ट पेज पर शेयर करती हैं। उन्होंने अभी तक 500 पेंटिंग बना डाली हैं। अब वे अपनी बीमारी के अवसाद से भी उबर चुकी हैं।

स्मृति शेष

पद्मविभूषण मूर्तिकार रघुनाथ मोहापात्रा का निधन

ओडिशा के मशहूर मूर्तिकार और राज्यसभा सांसद रघुनाथ मोहापात्रा का 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले सप्ताह कोरोना संक्रमित हो गए थे। 1943 में जन्में मोहापात्रा पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण से सम्मानित थे।

संगीत निर्देशक वनराज भाटिया का निधन

दिग्गज संगीत निर्देशक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वनराज भाटिया का 93 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। फिल्मों के अलावा भारत एक खोज और तमस जैसे टेलीविजन शो के लिए भी उन्होंने शानदार संगीत तैयार किया था।

1980 की गोल्ड मेडलिस्ट हॉकी टीम के सदस्य कौशिक और पाल का निधन

वर्ष 1980 मॉस्को ओलिंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे 66 वर्षीय एम.के. कौशिक और 60 वर्षीय रविंदर पाल का कोरोना संक्रमण से निधन हो गया। कौशिक भारतीय हॉकी पुरुष और महिला टीम के कोच रहे हैं। कौशिक को 1998 में अर्जुन अवॉर्ड और 2002 में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नवाजा गया था।

फुटबॉलर फ्रैंको का निधन

वर्ष 1962 एशियन गेम्स में फुटबॉल का गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे फोर्टुनाटो फ्रैंको का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने उनके निधन की पुष्टि की है। फ्रैंको ने भारत की तरफ से 26 मैच खेले। वे 1960 रोम ओलिंपिक में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे।

हॉकी अंपायर सोढ़ी का निधन

पूर्व हॉकी अंपायर और तकनीकी अधिकारी रविंदर सिंह सोढ़ी का 66 वर्ष की उम्र में कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है। उन्होंने कई शीर्ष घरेलू हॉकी प्रतियोगिता में अधिकारी की भूमिका निभाई थी। वे 1988 में लखनऊ में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हॉकी गोल्ड कप में भी अधिकारी थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मंजिल हासिल करना हो तो स्वयं को अनुशासन में रखें – महात्मा गांधी

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य अध्ययन (भारतीय भूगोल)

1. सहयाद्रि पर्वत क्षेत्र को अन्यत्र किस नाम से भी जाना जाता है?
अ. शिवालिक पर्वत
ब. पश्चिमी घाट
स. पूर्वी घाट
द. अरावली
उत्तर- ब. पश्चिमी घाट

2. भारत की कौन सी पर्वत श्रृंखला केवल एक ही राज्य से संबद्ध है?
अ. अजंता ब. सहयाद्रि
स. सतपुड़ा द. अरावली
उत्तर- अ. अजंता

3. किस राज्य में नाथूला दर्रा अवस्थित है?
अ. उत्तराखंड ब. उत्तरप्रदेश
स. सिक्किम द. जम्मू कश्मीर
उत्तर- स. सिक्किम

4. भारत में बेरोज़गारी का अधिकतर स्वरूप है?
अ. चक्रीय ब. प्रौद्योगिकीय
स. संरचनात्मक द. संघर्ष संबंधी
उत्तर- अ. चक्रीय

5. बाल्टोरो हिमनद अवस्थित है?
अ. शिवालिक
ब. सहयाद्रि
स. काराकोरम पर्वत श्रेणी
द. पीरपंजाल पर्वत श्रेणी
उत्तर- स. काराकोरम पर्वत श्रेणी

6. बारालाचा ला दर्रा किस राज्य में अवस्थित है?
अ. उत्तराखंड
ब. अरुणाचल प्रदेश
स. सिक्किम
द. हिमाचल प्रदेश
उत्तर- द. हिमाचल प्रदेश

7. भारत में तटीय रेखा वाले कितने राज्य हैं?
अ. 8 ब. 9.
स. 10 द. 11
उत्तर- ब. 9

8. जोजिला दर्रा किनके मध्य स्थित है?
अ. श्रीनगर और लेह
ब. जम्मू और श्रीनगर
स. लेह और लद्दाख
द. शिमला और लद्दाख
उत्तर- अ. श्रीनगर और लेह

9. शिपकिला एवं रोहतांग दर्रा किस राज्य में अवस्थित है?
अ. हिमाचल प्रदेश
ब. अरुणाचल प्रदेश
स. उत्तराखंड
द. सिक्किम
उत्तर- अ. हिमाचल प्रदेश

10. लोकटक झील जिस पर जलविद्युत परियोजना निर्मित है, किस राज्य के अंतर्गत है?
अ. उत्तराखंड
ब. मणिपुर
स. सिक्किम
द. अरुणाचल प्रदेश
उत्तर- ब. मणिपुर

11. कौन सा सबसे बड़ा हिमनद है?
अ. गंगोत्री
ब. कुमायूं हिमालय
स. यमनोत्री
द. रूपडुन
उत्तर- अ. गंगोत्री

12. कृष्णागिरी पर्वत श्रेणी के नाम से किसे जाना जाता है?
अ. राकापोशी ब. सागरमाथा
स. के 2 द. काराकोरम
उत्तर- द. काराकोरम

13. भारत में प्रवाल द्वीप समूह का उदाहरण है?
अ. लक्षद्वीप ब. अंडमान
स. निकोबार द. मिनीकाय
उत्तर- अ. लक्षद्वीप

14. नर्मदा और ताप्ती नदियों के मध्य कौन-सी पर्वत श्रेणी स्थित है?
अ. विन्ध्य पर्वत श्रेणी
ब. राजमहल पर्वत श्रेणी
स. सतपुड़ा पर्वत श्रेणी
द. अरावली पर्वत श्रेणी
उत्तर- स. सतपुड़ा पर्वत श्रेणी

15. माना एवं लिपुलेख दर्रा किस राज्य के अंतर्गत आता है?
अ. उत्तराखंड ब. जम्मू कश्मीर
स. सिक्किम द. उत्तरप्रदेश
उत्तर- अ. उत्तराखंड

16. जेलेप-ला दर्रा किस राज्य में स्थित है?
अ. उत्तराखंड ब. हिमालय
स. सिक्किम द. उत्तरप्रदेश
उत्तर- स. सिक्किम

17. अलमाटी बांध संबद्ध है?
अ. कृष्णा नदी ब. मालप्रभा नदी
स. कावेरी नदी द. महानदी
उत्तर- अ. कृष्णा नदी

18. नंगा पर्वत चोटी से संबद्ध श्रृंखला है?
अ. हिमालय ब. कराकोरम
स. सहयाद्रि द. लद्दाख
उत्तर- अ. हिमालय

19. बुर्जिल एवं बनिहाल दर्रे से संबंधित राज्य है?
अ. उत्तराखंड ब. जम्मू कश्मीर
स. सिक्किम द. उत्तरप्रदेश
उत्तर- ब. जम्मू कश्मीर

20. भारत के पूर्वी तट पर स्थित नहीं है?
अ. पाराद्वीप ब. कांडला
स. चेन्नई द. तूतीकोरीन
उत्तर- ब. कांडला

21. भारत में खुला सागरीय बंदरगाह का उदाहरण है?
अ. विशाखापट्नम
ब. चेन्नई
स. हल्दिया
द. मुंबई
उत्तर- द. मुंबई

22. कौन-सा बंदरगाह बेमेल है?
अ. कांडला-गुजरात
ब. तूतीकोरीन-तमिलनाडु
स. पाराद्वीप-उड़ीसा
द. विशाखापट्नम-कर्नाटक
उत्तर- द. विशाखापट्नम-कर्नाटक

23. भारत के साथ किस देश की सबसे लंबी स्थलीय सीमा है?
अ. चीन
ब. अफगानिस्तान
स. पाकिस्तान
द. बांग्लादेश
उत्तर- द. बांग्लादेश

- डॉ. राजेश बर्थे
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान-खेल

1. वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) लिन डैन
(ब) केंटो मोमोटा
(स) विक्टर एक्सेलसन
(द) इनमें से कोई नहीं

2. माइकल शूमाकर ने इनमें से किस वर्ष फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप नहीं जीती है?
(अ) वर्ष 1995 (ब) वर्ष 2002
(स) वर्ष 2004 (द) वर्ष 2007

3. रोवर्स कप किस खेल की एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है?
(अ) शतरंज (ब) फुटबॉल
(स) टेनिस (द) गोल्फ

4. वीरेंद्र सहवाग ने टेस्ट क्रिकेट में कितने शतक बनाए हैं।
(अ) 23 (ब) 32
(स) 27 (द) 36

5. इनमें से किस खिलाड़ी ने बास्केटबॉल लीग एनबीए में सबसे ज्यादा ट्रिपल-डबल बनाए हैं?
(अ) लेब्रोन जेम्स
(ब) ब्रायंट कोबे
(स) माइकल जॉर्डन
(द) रसेल वेस्टब्रुक

6. कुलदीप यादव ने इनमें से किस देश के खिलाफ वन-डे क्रिकेट में हैट्रिक ली है?
(अ) वेस्टइंडीज
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) इन दोनों देशों के खिलाफ
(द) इनमें से कोई नहीं

7. वर्ष 2020 में अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया गया था?
(अ) श्रीलंका
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) दक्षिण अफ्रीका
(द) वेस्टइंडीज

8. एशियन गेम्स-2018 में किस भारतीय महिला पहलवान ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) विनेश फोगाट
(ब) साक्षी मलिक
(स) गीता फोगाट
(द) दिव्या काकरान

9. वर्ष 2018 में किस क्लब ने कोपा इटेलियन कप का खिताब जीता था?
(अ) मिलान (ब) नेपोली
(स) सैंपडोरिया (द) जुवेंट्स

10. वर्ष 2023 में एएफसी एशियन कप टूर्नामेंट किस देश में आयोजित किया जायेगा?
(अ) मलेशिया (ब) सउदी अरब
(स) चीन (द) वियतनाम

11. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?
(अ) शाहिद अफरीदी
(ब) लसिथ मलिंगा
(स) क्रिस जॉर्डन
(द) टिम साउथी

12. स्वेतलाना कुजुनोत्सोवा किस देश की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) सर्बिया
(ब) यूक्रेन
(स) रूस
(द) चेक रिपब्लिक

13. वर्ष 2018 में फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली फ्रांसीसी टीम के कप्तान हैं?
(अ) सैमुएल उमीटी
(ब) ह्यूगो लॉरिस
(स) एंटोनिए ग्रिजमैन
(द) पॉल पोग्बा

14. अफगानिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं?
(अ) हरामतुल्ला शाहिदी
(ब) असगर अफगान
(स) मोहम्मद शहजाद
(द) रहमत शाह

15. इनमें से किस महिला शतरंज खिलाड़ी को पद्म श्री सम्मान नहीं मिला है?
(अ) तानिया सचदेव
(ब) कोनेरू हम्पी
(स) हरिका द्रोणावल्ली
(द) अनुपमा गोखले

16. इनमें से किसने एक कैलेंडर वर्ष में चारों ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं?
(अ) मारिया शारापोवा
(ब) मार्टिना हिंगिस
(स) स्टेफी ग्राफ
(द) सेरेना विलियम्स

17. मैराथन धावक इलियुड किपचोगे किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) नाइजीरिया
(ब) केन्या
(स) बहरीन
(द) इथियोपिया

18. इस वर्ष मेक्सिकन ओपन में पुरुष एकल वर्ग में चैम्पियन बने हैं?
(अ) स्टेफानोस सितसिपास
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) डेविड फेरर

19. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं?
(अ) टिम साउथी
(ब) ब्रेट ली
(स) फहीम अशरफ
(द) थिसारा परेरा

20. निकहत जरीन किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) कुश्ती
(ब) मुक्केबाजी
(स) तीरंदाजी
(द) नौकायन

21. सबसे ज्यादा बार ब्रिटिश ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस जीतने वाले रेसर हैं?
(अ) लुईस हैमिल्टन
(ब) माइकल शूमाकर
(स) मार्क वेबर
(द) एलेन प्रोस्ट

22. वर्ष 2006 में विंटर ओलिंपिक खेल किस देश में आयोजित किए गए थे?
(अ) जापान (ब) कनाडा
(स) रूस (द) इटली

23. टेस्ट क्रिकेट में लगातार पारियों में पांच शतक बनाने का रिकॉर्ड किस खिलाड़ी के नाम है?
(अ) डॉन ब्रैडमैन
(ब) राहुल द्रविड़
(स) एवर्टन वीक्स
(द) गारफील्ड सॉबर्स

24. भारत ने किस वर्ष वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी?
(अ) वर्ष 2005 (ब) वर्ष 2009
(स) वर्ष 2012 (द) वर्ष 2014

25. इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक किस खेल के खिलाड़ी रह चुके हैं?
(अ) फुटबॉल
(ब) आइस हॉकी
(स) तलवारबाजी
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द), 6. (स), 7. (स), 8. (अ), 9. (द), 10. (स), 11. (ब), 12. (स), 13. (ब), 14. (अ), 15. (अ), 16. (स), 17. (ब), 18. (स), 19. (द), 20. (ब), 21. (अ), 22. (द), 23. (स), 24. (ब), 25. (स)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 943 (PMGSY-III, Batch-I Year 2021-22)

No. 7373 /22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 21.05.2021

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below:

- **Name of Work : Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction**
- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Ujjain	1	78600000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **27.05.2021 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **18.06.2021 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/100776/R-45537/2021 **(T & e-G)**

कॅरियर की राहें

ट्रैवल एंड टूरिज़्म में बढ़ रहे कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे शोध सर्वेक्षणों में यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि कोरोना संक्रमण से उबरने के बाद देश और दुनिया में घरों में बंद करोड़ों लोग अपने कदमों को पर्यटन स्थलों की ओर आगे बढ़ाते हुए दिखाई देंगे। ऐसे में ट्रैवल एंड टूरिज़्म सेक्टर अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ सेक्टर बन सकता है। इस सेक्टर में कॅरियर के मौके भी तेजी से बढ़ेंगे।

ट्रैवल एंड टूरिज़्म सेक्टर में लगातार बढ़ रहे हैं रोज़गार के मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज़्म काउंसिल के मुताबिक दक्षिण एशिया में भारत सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत 2028 तक ट्रैवल एंड टूरिज़्म की दृष्टि से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो सकता है। 2028 तक भारत में इस सेक्टर में करीब 1 करोड़ नई नौकरियाँ आकार ग्रहण करते हुए दिखाई दे सकेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ट्रैवल एंड टूरिज़्म सेक्टर का कारोबार काफी बढ़ जाएगा।

गौरतलब है कि दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज़्म एंड हॉस्पिटेलिटी के अनुसार भारत में ट्रैवल एंड टूरिज़्म इंडस्ट्री का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8 फीसदी का योगदान है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2019 में भारत में 1.08 करोड़ विदेशी पर्यटक आए और भारत को विदेशी पर्यटकों के आने से 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की आमदनी हुई है। ट्रैवल एंड टूरिज़्म प्रतिस्पर्धी सूचकांक 2019 में दुनिया के विभिन्न देशों से पर्यटन प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर भारत ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 34वाँ स्थान प्राप्त किया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत में ट्रैवल और टूरिज़्म से करीब 4 करोड़ लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त किए हुए हैं।

टूरिज़्म के विभिन्न सेक्टर और कॅरियर की संभावनाएँ

देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए भारत के पर्यटन क्षेत्र में कई आयाम दिखाई दे रहे हैं। देश में सांस्कृतिक विरासत टूरिज़्म, एडवेंचर टूरिज़्म, जिओ-हेरिटेज टूरिज़्म, योग, आयुर्वेद एवं चिकित्सा पर्यटन, तीर्थ यात्रा पर्यटन, ईको पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन तथा हिमालय से लेकर द्वीपों तक प्राकृतिक स्थल पर्यटन अपना विशिष्ट महत्व रखते हैं।

जो युवा पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनके पास देश के ऐतिहासिक स्मारकों की अच्छी जानकारी होनी जरूरी है। देश और दुनिया के वे पर्यटक जो ऐतिहासिक स्मारक देखना चाहते हैं, उनके लिए देश में अनेक ऐतिहासिक स्मारक हैं। आगरा का ताज महल भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और यह भारत की अत्युत्तम वास्तुकला की उपलब्धियों में से एक है। इसके अलावा मैसूर राजमहल मैसूर, बृहदीस्वर मंदिर तंजावुर, हवा महल जयपुर, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मुंबई, बहाई मंदिर दिल्ली, विक्टोरिया मेमोरियल कोलकाता दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। चूँकि भारत जलप्रपातों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है, अतएव पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर बनाने वाले युवाओं को जलप्रपातों की भौगोलिक जानकारियों के साथ देश के जलप्रपातों की पूर्ण जानकारी जरूरी है। जलप्रपातों के मद्देनजर पर्यटन स्थलों को देखें तो भारत के प्रमुख जल प्रपातों में जोग जलप्रपात कर्नाटक, शिवसमुद्रम् जलप्रपात कर्नाटक, येन्ना जलप्रपात मध्यप्रदेश, चचाई जलप्रपात मध्यप्रदेश, धुआंधार जलप्रपात मध्यप्रदेश, पाइकारा जलप्रपात तमिलनाडु, गोकक जलप्रपात कर्नाटक, हुण्डरू जलप्रपात झारखंड, चित्रकूट जलप्रपात छत्तीसगढ़, किलियूर जलप्रपात तमिलनाडु तथा वसुधारा जलप्रपात उत्तराखण्ड प्रमुख हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश-विदेश के अधिकांश पर्यटकों की वन्य जीव पर्यटन में बड़ी रुचि होती है। ऐसे में पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक लोगों के पास भारत के कोने-कोने में स्थिति वन्य जीव पर्यटन स्थलों की जानकारी विशेष रूप से होनी चाहिए। देश के संरक्षित जंगलों में भारत के 75 राष्ट्रीय उद्यान और 421 अभयारण्य शामिल हैं, जिनमें से बाघ परियोजना के दायरे में 19 आते हैं। सुंदरबन में रॉयल बंगाल टाइगर प्रसिद्ध है। यह दुनिया का सबसे बड़ा सदाबहार जंगल और साथ ही, यूनेस्को का विश्व विरासत स्थल भी है। मध्यप्रदेश में मंडला और बालाघाट जिलों की सीमाओं में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एक टाइगर रिज़र्व होने के लिए भी पर्यटकों के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र है। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़, मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान भारत के इतिहास के पन्नों में अकबर के शासनकाल के दौरान शिकार से लेकर औपनिवेशक काल तक दर्ज है। वन्य-जीव अभयारण्यों में भरतपुर, कॉर्बेट, काज़ीरंगा, पेरियार, रणथंभौर और सरिस्का प्रमुख हैं।

चूँकि भारत दुनियाभर में पहाड़ी सैरगाह के लिए याद किया जाता है। अतएव पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर के लिए देश के हिल स्टेशनों की पूरी जानकारियाँ मुट्ठियों में होनी जरूरी है। यदि हम देश में पहाड़ी स्थलों के पर्यटन की ओर देखें तो पाते हैं कि देश के पहाड़ी पर्यटन स्थल प्राकृतिक स्वर्ग बने हुए हैं। देश के मशहूर हिल स्टेशनों में कश्मीर में गुलमर्ग और श्रीनगर, मध्यप्रदेश में पचमढ़ी, आंध्रप्रदेश में अरकु, लद्दाख में लेह, पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग, केरल में मुन्नार, तमिलनाडु में ऊटी और कोडाइकनाल, मेघालय में शिलांग, हिमाचल प्रदेश में शिमला, कुल्लू, उत्तरांचल में नैनीताल, मसूरी, आदि प्रमुख पहाड़ी पर्यटन स्थल हैं।

भारत, रजत/स्वर्णिम रेत के उष्णकटिबंधीय समुद्र तटों से लेकर, लक्षद्वीप के प्रवाली समुद्र तट तक की विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। अतएव पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर के लिए देश के समुद्र तटों की पर्याप्त जानकारियाँ जरूरी हैं। तटीय पर्यटन के तहत देश में समुद्र तटों में विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश के समुद्र तट, पुरी, उड़ीसा के समुद्र तट, पश्चिम बंगाल के समुद्र तट, गोवा के समुद्र तट, केरल में कोवलम समुद्र तट, मरीना समुद्र तट, चेन्नई, महाबलीपुरम के समुद्र तटीय मंदिर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मुंबई में समुद्र तट, लक्षद्वीप, दीव के समुद्र तट, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के समुद्र तट प्रमुख हैं। चूँकि कई पर्यटक साहसिक पर्यटन पसंद करते हैं। अतएव इससे संबंधित विस्तृत जानकारी भी लाभप्रद है। साहसिक पर्यटन स्थलों में मनाली, हिमाचल प्रदेश में स्कीइंग, हिमालय में नदी राफ्टिंग, हिमालय में पर्वतारोहण, गुलमर्ग में स्कीइंग, भोपाल में नौका दौड़, महाराष्ट्र में पैराग्लाइडिंग प्रमुख हैं।

उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में भारत को धार्मिक स्थलों वाला देश कहा जाता है। पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर के लिए विभिन्न धार्मिक तीर्थ स्थलों के इतिहास से लेकर वर्तमान तक की जानकारियों के साथ विशेषज्ञता लाभप्रद होती है। देश में अमृतसर का स्वर्ण मंदिर, ओडिशा के तट पर पुरी के निकट कोणार्क सूर्य मंदिर, जगन्नाथ मंदिर पुरी, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग गुजरात, तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर आंध्रप्रदेश, अमरनाथ गुफा कश्मीर, वाराणसी और वृन्दाबन उत्तरप्रदेश, द्वारिका नगरी गुजरात, ऋषिकेश धाम उत्तराखंड, सवरीमाला मंदिर केरल, हरिद्वार उत्तराखंड, केदारनाथ उत्तराखंड, शिरडी वाले साईं बाबा मंदिर महाराष्ट्र, गंगोत्री धाम उत्तर काशी, महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन मध्यप्रदेश आदि देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल हैं। चूँकि अब देश में चिकित्सा पर्यटन भी बढ़ रहा है और खासतौर से विदेशों से बड़ी संख्या में ऐसे पर्यटक आने लगे हैं, जो अपनी बीमारियों के इलाज के साथ पर्यटन का शौक भी पूरा करते हैं, अतएव पर्यटन के क्षेत्र में कॅरियर बनाने वालों के लिए जरूरी है कि वे अपने को मेडिकल पर्यटकों के लिए उपयोगी मेडिकल संबंधी जानकारियों, अस्पतालों की जानकारी तथा बीमारियों पर खर्च संबंधी जानकारियों से सुसज्जित रखें। पर्यटन से संबंधित ऐसी विशेषज्ञता के बाद पर्यटन क्षेत्र में कॅरियर के अच्छे मौके बढ़ जाते हैं।

ट्रैवल एंड टूरिज़्म में कॅरियर के विभिन्न मौके

प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से पर्यटन इंडस्ट्री में सरकारी पर्यटन विभाग, इमिग्रेशन एंड कस्टम, ट्रैवल एजेंसीज, एयरलाइंस, टूर ऑपरेटर, होटल, एयरलाइन, कैटरिंग, गाइड, दुभाषिए, टूरिज़्म प्रमोशन एवं सेल्स जैसी सेवाएँ शामिल होती हैं। पर्यटन इंडस्ट्री से अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर ऑपरेटर से लेकर निजी ट्रैवल एजेंट तक जुड़े होते हैं। सभी राज्यों के पर्यटन विभागों से लेकर, पर्यटन मंत्रालय, एयरलाइंस, क्रूज, रिजॉर्ट्स, होटलों, ट्रैवल एजेंसियों, टूर ऑपरेटरों, ट्रांसपोर्ट एवं कार्गो में रोज़गार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

पर्यटन क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका ट्रैवल एजेंसियों व ट्रैवल एजेंटों की होती है। ये टूरिस्ट और बिजनेसमैन की यात्रा के लिए क्या-क्या जरूरी बातें और चीजें हैं, उनका आकलन करते हैं और उसी के मुताबिक व्यवस्था करते हैं। बहुत सारे रिजॉर्ट्स और ट्रैवल ग्रुप भी अपने टूर पैकेज के प्रमोशन के लिए इन एजेंट्स की मदद लेते हैं। ये पर्यटन से जुड़ी लगभग सारी बातों का ध्यान रखते हैं जैसे डेस्टिनेशन तक पहुँचने का सबसे छोटा एवं सुरक्षित रास्ता कौनसा है, वहाँ पहुँचने का तरीका क्या है, क्या वहाँ जाने के लिए कुछ कागजात चाहिए, ठहरने की जगह कौनसी अच्छी है, मुद्रा विनिमय की दर क्या है, वहाँ का मौसम कैसा है, वहाँ घूमने की जगह कौन-कौनसी अच्छी हैं इत्यादि।

कॅरियर की जरूरी स्किल्स

जो युवा ट्रैवल एंड टूरिज़्म सेक्टर में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए इस सेक्टर से संबंधित किसी डिग्री-डिप्लोमा के साथ-साथ कुछ विशेष स्किल्स जरूरी हैं। प्रकृति, पुरातत्व और यात्रा में रुचि, परिश्रम, नम्रता, मिलन सारिता, अच्छा कम्प्यूटर नॉलेज, क्षेत्रीय भाषा एवं अंग्रेजी में दक्षता क्राइसेस मैनेजमेंट की समझ, भौगोलिक ज्ञान, विदेशी मुद्रा विनिमय संबंधी जानकारी इस सेक्टर में कॅरियर के लिए लाभप्रद हैं। जाहिर है ट्रेवल एंड टूरिज़्म में कॅरियर के लिए अच्छी पर्सनेलिटी लाभप्रद होती है। पर्यटन स्थलों के बारे में सारी जानकारी होनी चाहिए, पर्यटकों की उत्सुकता और जिज्ञासा को ठीक-ठीक समझकर उन्हें समझाने की कला भी आनी चाहिए।

ट्रैवल एवं टूरिज़्म में कॅरियर से संबंधित विभिन्न कोर्स

ट्रैवल एंड टूरिज़्म में बैचलर डिग्री कोर्स, सर्टिफिकेट कोर्स और डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। ट्रैवल एंड टूरिज़्म इंडस्ट्री में फुल टाइम कोर्सेज के अलावा शॉर्ट टर्म कोर्स के विकल्प भी मौजूद हैं। बैचलर कोर्स तीन साल के और पीजी कोर्स दो साल के होते हैं। कई संस्थानों द्वारा सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। ट्रैवल एंड टूरिज़्म से जुड़े कुछ प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं- बैचलर ऑफ टूरिज़्म एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ टूरिज़्म स्टडीज, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन टूरिज़्म एंड हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट, एमए इन टूरिज़्म मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन ट्रैवल मैनेजमेंट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट। ट्रैवल एंड टूरिज़्म से जुड़े शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स इस प्रकार हैं- एयरलाइन टिकटिंग, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशंस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, गाइडिंग एंड स्कॉटिंग, कार्गो मैनेजमेंट, एयरपोर्ट लॉजिस्टिक मैनेजमेंट आदि। पीजी डिप्लोमा कोर्स या पीजी स्तर के कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) ग्वालियर, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्था है। यह पर्यटन, यात्रा और अन्य संबंधित क्षेत्रों के प्रबंधन में प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान हेतु पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है।

चूँकि पर्यटन इंडस्ट्री के साथ होटलों का एक खास रिश्ता है। अतएव इस इंडस्ट्री की बढ़ोतरी के साथ-साथ होटल इंडस्ट्री भी लगातार प्रगति कर रही है। होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद भी ट्रेवल एंड टूरिज़्म इंडस्ट्री में अच्छे जॉब की संभावनाएँ हैं। चूँकि पर्यटन के क्षेत्र में रोज़गार के अच्छे अवसर हैं इसलिए पर्यटन से संबंधित कोर्स के दौरान भी उम्मीदवारों के लिए नौकरी के रास्ते खुल जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि देश के कोने-कोने में ट्रैवल एंड टूरिज़्म का कोर्स कराने के लिए सरकारी एवं प्रायवेट सेक्टर में कई संस्थान कार्यरत हैं। आप अपनी उपयुक्तता के अनुरूप किसी अच्छे गुणवत्तापूर्ण संस्थान से ट्रैवल एंड टूरिज़्म का कोई उपयुक्त कोर्स करके कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

खेल चर्चा

जर्मन टीम में तीन साल बाद थॉमस मुलर की वापसी

म्युनिख, जर्मनी के स्टार फुटबॉलर थॉमस मुलर की जर्मन फुटबॉल टीम में 3 साल बाद वापसी हुई है। मुलर के साथ मैट्स हम्मेल्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये दोनों खिलाड़ी यूरो कप के लिए जर्मन टीम में शामिल किए गए हैं। जर्मनी की फुटबॉल टीम के कोच जोकिम लाऊ ने वर्ष 2018 में जर्मन टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इन दोनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया था। हालांकि इनकी गैर-मौजूदगी में भी जर्मन टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। मुलर ने वर्ष 2014 में जर्मनी को फीफा विश्वकप दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस वर्ष क्लब फुटबॉल में मुलर का प्रदर्शन शानदार रहा है। मुलर ने बायर्न म्युनिख की ओर से खेलते हुए बुंदेसलीगा में 11 गोल किए, जबकि 18 गोल असिस्ट किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेलेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुंबई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस वर्ष सितंबर माह में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जायेगी। इस दौरे पर भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के साथ वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज के साथ एक टेस्ट मैच भी खेलेगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम 15 वर्ष बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेलेगी। इससे पहले भारतीय टीम ने वर्ष 2006 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेला था।

आउटडोर चैंपियनशिप में तेजस्विन ने जीता स्वर्ण पदक

न्यूयॉर्क, भारत के ऊंची कूद खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका में आयोजित बिग 12 आउटडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। चैंपियनशिप में कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुये तेजस्विन ने ऊंची कूद स्पर्धा में 2.28 मीटर ऊंची कूद लगाई। यह इस सत्र में तेजस्विन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, लेकिन वे अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (2.29 मीटर) से कुछ सेंटीमीटर पीछे रह गये। स्पर्धा में ओकलोहामा यूनिवर्सिटी के वर्नन टर्नर (2.25 मीटर) ने रजत पदक तथा टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी के जेकन होगन (2.11 मीटर) ने कांस्य पदक जीता है।

श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने बोर्ड को दी संन्यास की धमकी

कोलंबो, भारत और श्रीलंका के बीच जुलाई में प्रस्तावित सीरीज से पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच तनाव की वजह नया अंक आधारित ग्रेडिंग सिस्टम है। खिलाड़ियों ने बोर्ड को नये ग्रेडिंग सिस्टम को लागू करने पर संन्यास लेने की धमकी दी है। अब खिलाड़ियों का वार्षिक वेतन इसी सिस्टम के जरिये तय होगा। नये सिस्टम के अनुसार खिलाड़ियों को चार ग्रुप में बांटा जायेगा। इसमें फिटनेस, अनुशासन, इंटरनेशनल क्रिकेट में प्रदर्शन और लीडरशिप शामिल है। श्रीलंकाई खिलाड़ियों के प्रतिनिधि निशान प्रेमथिरत्ने ने कहा कि नये ग्रेडिंग सिस्टम में पारदर्शिता की कमी है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उनकी रैंकिंग तय करने वाली प्रक्रिया को जानने का अधिकार है।

इटैलियन ओपन

नडाल ने दसवीं बार जीता खिताब

रोम, स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल ने इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग खिताब अपने नाम किया है। नडाल ने दसवीं बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में नडाल ने विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 7-5, 1-6, 6-3 से हराया।

मैच का पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई। पहला सेट बराबर रहने के बाद विजेता का फैसला टाइब्रेकर से हुआ, जिसमें राफेल नडाल ने बाजी जीतते हुए पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में जोकोविच ने शानदार पलटवार किया और नडाल को संभलने का कोई भी मौका नहीं दिया तथा सेट 6-1 से जीत लिया। मैच के तीसरे और निर्णायक सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच शानदार खेल देखने को मिला, लेकिन नडाल ने तीसरे सेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर जोकोविच को दबाव में ला दिया। नडाल के तेज शॉट के सामने जोकोविच ने कई गलतियां कीं। नडाल ने इन्हीं गलतियों का फायदा उठाया और जोकोविच को तीसरे सेट में 6-3 से हराया।

खिताब जीतने के बाद नडाल ने कहा कि यह मेरे टेनिस कैरियर के सबसे महत्वपूर्ण खिताबों में से एक है। मैं फ्रैंच ओपन में बड़े आत्मविश्वास के साथ खेलूंगा और मेरी कोशिश 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की होगी। नडाल ने कहा कि फ्रैंच ओपन जीतने के लिए मुझे इससे भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

- **राफेल नडाल 12 बार इटैलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं, इनमें से 10 बार उन्होंने जीत दर्ज की है।**
- **नडाल के बाद जोकोविच ने 5 बार जीता है इटैलियन ओपन।**
- **यह नडाल के टेनिस कॅरियर का 36वां एटीपी मास्टर्स-1000 खिताब है।**
- **इगा स्वितेक ने इटैलियन ओपन के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए-1000 खिताब जीता है।**
- **यह इस सीजन में स्वितेक का दूसरा खिताब है। इस जीत के साथ स्वितेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष-10 में पहुंच गई हैं।**

महिला वर्ग में स्वितेक बनीं चैम्पियन

पोलैंड की युवा खिलाड़ी इगा स्वितेक ने इटैलियन ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है। स्वितेक ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में चेक गणराज्य की अनुभवी खिलाड़ी कैरोलिना प्लिस्कोवा को सीधे सेटों में 6-0, 6-0 से हराया। फाइनल मुकाबले में प्लिस्कोवा को जीत का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन स्वितेक ने जबरदस्त उलटफेर किया। स्वितेक ने पहले सेट में प्लिस्कोवा को सेट होने का कोई मौका नहीं दिया। दूसरे सेट में भी स्वितेक के आक्रमक खेल के सामने प्लिस्कोवा एक भी गेम नहीं जीत पाईं।

अक्टूबर 2022 में आयोजित होगा महिला रग्बी विश्वकप

वेलिंग्टन, न्यूजीलैंड में इस वर्ष आयोजित होने वाला महिला रग्बी विश्व कप वर्ष 2022 में आयोजित किया जायेगा। वर्ल्ड रग्बी ने इस टूर्नामेंट का नया कार्यक्रम जारी किया है। यह विश्वकप अब आठ अक्टूबर से 12 नवंबर 2022 के बीच आयोजित किया जायेगा। वर्ल्ड रग्बी ने टीमों को मैच के बीच कम से कम पांच दिन के विश्राम का समय दिया है। यह विश्वकप 43 दिन तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड अब तक पांच बार महिला रग्बी विश्वकप जीत चुका है। न्यूजीलैंड ने वर्ष 2017 में इंग्लैंड को 41-32 से हराकर खिताब जीता था।

मैक्ग्रेगोर बने सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी

डबलिन, आयरलैंड के मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) खिलाड़ी कोनोर मैक्ग्रेगोर विश्व के सबसे अमीर खिलाड़ी बन गये हैं। फोर्ब्स पत्रिका ने वर्ष 2021 के लिये सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है। इस सूची में मैक्ग्रेगोर पहले पायदान पर हैं। फोर्ब्स के अनुसार पूर्व यूएफसी चैंपियन मैक्ग्रेगोर ने इस वर्ष 180 मिलियन डॉलर (लगभग 1325 करोड़ रुपये) की कमाई की है। मैक्ग्रेगोर ने इसमें 11 अरब, 62 करोड़ 19 लाख 58 हजार रुपये विज्ञापन से कमाए हैं, जबकि एक अरब 61 करोड़ 83 लाख 57 हजार रुपये इनामी राशि (खेल से कमाई) से कमाए हैं। इस सूची में लियोनल मेसी दूसरे और क्रिस्टियानो रोनाल्डो तीसरे स्थान पर हैं। मैक्ग्रेगोर पिछले वर्ष फोर्ब्स सूची में 16वें स्थान पर थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जारी किया एशेज-2021 का शेड्यूल

सिडनी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस वर्ष के अंत में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित एशेज सीरीज का शेड्यूल घोषित किया है। ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में आयोजित होने वाली एशेज सीरीज आठ दिसंबर 2021 से 18 जनवरी 2021 तक चलेगी।

एशेज सीरीज का पहला मैच 8 से 12 दिसंबर तक ब्रिस्बेन में, दूसरा मैच 16 से 20 दिसंबर तक एडीलेड में, तीसरा टेस्ट मैच 26 से 30 दिसंबर तक मेलबर्न में, चौथा टेस्ट मैच 5 से 9 जनवरी तक सिडनी में तथा पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 14 से 18 जनवरी तक पर्थ में खेला जायेगा। एडिलेड में खेला जाने वाला दूसरा टेस्ट मैच सीरीज का एकमात्र डे-नाइट टेस्ट मैच होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि यह पिछले 26 वर्षों में पहला अवसर है, जब एशेज सीरीज का फाइनल मुकाबला सिडनी की जगह पर्थ में खेला जायेगा। एशेज सीरीज से पहले अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम भी ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। दोनों टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 27 नवंबर को खेला जायेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष के अंत में शुरू होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर दर्शकों की उपस्थिति हो सकती है, हालांकि उन्होंने कहा कि दूसरे देशों से प्रशंसकों के आने के फैसले पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार की गाइडलाइंस का पालन करेंगे।

निक हॉक्ले ने बताया कि एशेज सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वन-डे सीरीज तथा एक ट्वेंटी-20 मैच खेलेगी, वहीं श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज भी खेलेगी।

आईसीसी ने शुरू किया हॉल ऑफ फेम ऑफ द मंथ पुरस्कार

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पूर्व क्रिकेटरों को सम्मान देने के लिये शुरू किये गये हॉल ऑफ फेम में एक नया अध्याय जोड़ते हुये हॉल ऑफ फेम ऑफ द मंथ पुरस्कार लॉन्च किया है। आईसीसी ने ट्वीट के जरिये इस पुरस्कार की शुरुआत की घोषणा की।

न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मार्टिन क्रो इस पुरस्कार को हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। आईसीसी ने कहा कि मार्टिन क्रो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभावान बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने फरवरी 1982 में 19 वर्ष की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और लगभग 13 वर्षों तक अपना दबदबा कायम रखा था। आईसीसी ने कहा कि मार्टिन क्रो ने अपने क्रिकेट कॅरियर में 77 टेस्ट मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने 45.37 की औसत से 5444 रन बनाये हैं।

इस दौरान उनके बल्ले से 17 शतक भी निकले हैं। उनका टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर 299 रन रहा है।

मार्टिन ने 143 वन-डे मैचों में भी न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है। इस दौरान उन्होंने 38.42 की औसत से 4704 रन बनाये हैं, इनमें चार शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

महिला चैंपियंस लीग

बार्सिलोना की महिला टीम पहली बार बनी चैंपियन

गॉटेनबर्ग, स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना की महिला फुटबॉल टीम ने महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। बार्सिलोना की महिला टीम ने पहली बार यह प्रतियोगिता जीती है। बार्सिलोना ने प्रतियोगिता के फाइनल में इंग्लिश फुटबॉल क्लब चेल्सी को 4-0 से हराया।

आत्मघाती गोल से बार्सिलोना को मिली बढ़त

पहली बार महिला चैंपियंस लीग का फाइनल मुकाबला खेल रही चेल्सी की टीम मैच में शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। मैच में बार्सिलोना को पहले मिनट में ही बढ़त मिल गई। मैच के 32वें सेकेंड में चेल्सी की मेलानी लियुपोल्ज अपने ही गोल पोस्ट में आत्मघाती गोल कर बैठी। इस गोल ने बार्सिलोना की टीम को मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला दी।

इसके बाद बार्सिलोना ने चेल्सी की

कमजोरी का फायदा उठाते हुये आक्रामक रणनीति अपनाई। बार्सिलोना के लिये यह रणनीति बेहद कारगर रही। बेहद दबाव में खेल रही चेल्सी की टीम ने 14वें मिनट में एक बार फिर गलती की, जिससे बार्सिलोना को पेनाल्टी मिली। बार्सिलोना की अलेक्सिया पुतेलास ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया और पेनाल्टी को गोल में तब्दील कर बार्सिलोना की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती ने शानदार मैदानी गोल कर चेल्सी को बड़ी हार की तरफ धकेल दिया। मैच का चौथा गोल कारोलिन ग्राहम हेनसन ने किया। हेनसन ने मैच के 36वें मिनट में लिएकी मर्टन्स के पास पर खूबसूरत गोल दागकर टीम की बढ़त को 4-0 कर दिया।

दूसरा हॉफ रहा गोल रहित

मैच के पहले हॉफ में बार्सिलोना के सामने कहीं नहीं टिकने वाली चेल्सी ने दूसरे हॉफ में बेहतर खेल दिखाया और बार्सिलोना की टीम को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया।

- **बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है, जिसने महिला चैंपियंस लीग का खिताब जीता है।**
- **बार्सिलोना पहला ऐसा क्लब है, जिसकी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने चैंपियंस लीग पर कब्जा किया है।**
- **इस वर्ष बार्सिलोना की पुरुष टीम चैंपियंस लीग की खितावी दौड़ से बाहर हो गई है।**

रमेश पवार बने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व स्पिनर रमेश पवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वे डब्ल्यू.वी. रमन का स्थान लेंगे। पवार पहले भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्हें वर्ष 2018 में ट्वेंटी-20 विश्व कप के बाद निलंबित कर दिया गया था।

मुख्य कोच पद के लिये रमेश पवार और डब्ल्यू.वी. रमन के अलावा आठ उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया था। इसके बाद क्रिकेट सलाहकार समिति ने पवार के नाम की सिफारिश की थी। उल्लेखनीय है कि पवार के मार्गदर्शन में मुंबई ने इस वर्ष विजय हजारे ट्रॉफी जीती है। रमेश पवार भारत के लिये 2 टेस्ट और 31 वन-डे मैच खेल चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

■ कोविन पोर्टल ■

हिंदी सहित 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा

कोरोना टीका पंजीकरण के लिए शुरू किया गया कोविन पोर्टल पर अब हिंदी सहित 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। पोर्टल

पर 14 भाषाओं में पंजीकरण का विकल्प उपलब्ध करवाया जाएगा। अभी तक यह विकल्प सिर्फ अंग्रेजी में ही उपलब्ध था। कोरोना पर बने मंत्री समूह की बैठक में यह जानकारी दी गई। जल्द ही यह सुविधा पोर्टल पर उपलब्ध होगी।

इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष

एक-दूसरे पर कर रहे भीषण हमला

इजरायल ने गाजा सिटी में अब तक का सबसे भीषण हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं घायलों की तादाद 1200 से ज्यादा है।

- **इजरायल की तरफ से लगातार हवाई हमले गाजा पट्टी पर किए गए। हमास के राजनेताओं को निशाना बनाया गया।**
- **गाजा की तरफ से भी तेल अवीव सहित कई इजरायली शहरों में रॉकेट दागे गए।**

मध्यस्थता के प्रयास तेज : अंतर्राष्ट्रीय वार्ताकार भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमास के नेताओं को निशाना बनाए जाने से इन प्रयासों में मुश्किलें आ सकती हैं। तनाव कम करने के लिए क्षेत्र में एक अमेरिकी राजनयिक भी आए हुए हैं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी बैठक की है। पूर्वी येरूशलम में इस महीने की शुरुआत में तनाव तब शुरू हुआ जब फिलिस्तीनियों ने शेख जर्रा में उन्हें निकाले जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया और इजरायली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में कार्रवाई की। यह लड़ाई शुरू हुई जब येरूशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागे। संघर्ष अन्य जगहों पर भी फैल गया है। वेस्ट बैंक और इजरायल में भी कई जगहों पर यहूदी और अरब नागरिकों के बीच झड़पें हुई हैं। इस संघर्ष में गाजा में बच्चे और महिलाओं समेत सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हजारों लोग जख्मी हुए हैं।

मिस्र के एक राजनयिक ने कहा कि हमास के राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने से संघर्ष विराम के प्रयासों पर असर पड़ेगा। इजरायल ने गाजा की तरफ सैकड़ों हवाई हमले किए हैं। जहां करीब 20 लाख फिलिस्तीनी रहते हैं। इजरायल ने गाजा सिटी की सबसे ऊंची इमारत को गिरा दिया। आरोप लगाया गया कि यहां हमास की सेना से जुड़े दफ्तर थे। बहुमंजिला इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया जिनमें ह्यद असोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे।

इस्लामी नेताओं ने की आपातकालीन बैठक

गाजा की स्थिति को लेकर 57 सदस्यीय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की आपातकालीन डिजिटल बैठक हुई ताकि गाजा पट्टी पर इजरायली हमले को रोका जा सके।

इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष

2014 के बाद दोनों देशों के बीच एक बार फिर लंबे खिंचते युद्ध के आसार बन रहे हैं। एक ओर जहां अमेरिका ने इजरायल का खुला समर्थन किया है, तो दूसरी ओर ओआईसी देश साथ बैठे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने मीडिया संस्थानों की इमारत को ध्वस्त करने में आठ बच्चों सहित 10 लोगों की मौत को युद्ध अपराध करार दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गाजा में मृतकों की बढ़ती संख्या को लेकर गंभीर चिंता जताई।

कोरोना संक्रमण के कारण

परीक्षा पर फैसला राज्यों से चर्चा के बाद

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने राज्यों के शिक्षा सचिवों से बात की। उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर राज्यों से चर्चा करने और उनके सुझाव लेने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान राज्यों ने कोरोना के चलते नौवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए टैबलेट उपलब्ध कराने का सुझाव केंद्र को दिया।

शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि मंत्री ने राज्यों से चर्चा में केंद्र सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में पहल और रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की है। केंद्र ने कहा कि महामारी के बावजूद पिछले साल एनटीए द्वारा जेईई एवं नीट जैसी पिछली परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं। राज्यों की तरफ से सीबीएसई

की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर भी बात की गई जिसमें केंद्र की तरफ से कहा गया है कि इस बारे में राज्यों से विचार जानने के बाद निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि केंद्र ने पूर्व में 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी थीं और एक जून को इस पर निर्णय लेने की बात कही थी।

सभी छात्रों को टैबलेट देने का सुझाव

बैठक में राज्यों की तरफ से सुझाव दिया गया कि सभी छात्रों को टैबलेट एवं भारत नेट कनेक्शन उपलब्ध करवाए जाने चाहिए और बोर्ड परीक्षाएं करवाने के लिए राज्यों के साथ निर्णय लिए जाने चाहिए। बैठक में शिक्षा अधिकारियों ने छात्रों के मानसिक विकास एवं उन्हें मनोवैज्ञानिक सहयोग देने के लिए मनोदर्पण एप के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पर जोर दिया।

जो बाइडेन अमेरिका की

अधिकृत कोरोना वैक्सीन अन्य देशों को भी देंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार घोषणा की कि वे दुनिया के अन्य देशों को आठ करोड़ कोरोना वैक्सीन भेजेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने यह जानकारी दी। जेन ने बताया कि बाइडेन पहले ही जॉनसन एंड जॉनसन की छह करोड़ वैक्सीन देने की योजना बना चुके थे। अब इसमें फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन भी शामिल की गई हैं। व्हाइट हाउस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अमेरिका दुनियाभर से महामारी को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, यह तो सिर्फ पहला कदम है। बाइडेन पहले ही वादा कर चुके हैं कि अमेरिका वैक्सीन आपूर्ति के मामले में दुनिया का शस्त्रागार बनेगा। योजना के मुताबिक, बाइडेन जल्द ही जेफरी जिएंट्स को भी इस योजना से जोड़ने की घोषणा

करेंगे। जिएंट्स व्हाइट हाउस में कोरोना महामारी के दौरान प्रतिक्रिया समन्वयक के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। वह महामारी को खत्म करने के लिए अलग-अलग देशों और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि वैक्सीन की सप्लाई सुगमता से हो सके और उन देशों में भी कोरोना नियंत्रण में मदद मिले।

डब्ल्यूएचओ

गरीब देशों की मदद करें धनी देश

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अमीर राष्ट्रों से अपील की है कि वह बच्चों के टीकाकरण के बारे में फिर से विचार करें।

संगठन ने कहा कि अमीर देशों को बच्चों को टीका देने की बजाय वह कोवैक्स योजना के तहत गरीब देशों को कोविड-19 वैक्सीन दान करें। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने भारत के बारे में चिंता जाहिर करते हुए यह भी कहा कि महामारी का दूसरा साल पहले साल की तुलना में ज्यादा जानलेवा साबित होगा।

डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं जब अमेरिका और कनाडा जैसे देश बच्चों को कोविड-19 का टीका लगाने वाले हैं। दोनों देशों ने बच्चों के लिए टीकाकरण की मंजूरी दे दी है, लेकिन कई गरीब देशों में अब तक स्वास्थ्यकर्मियों, डॉक्टरों व फ्रंटलाइन वर्कर्स को भी कोविड-19 का टीका नहीं लग पाया है। उन्होंने कहा

कि अमीर देशों को वैक्सीन कैवैक्स ग्लोबल वैक्सीन शेयरिंग स्कीम को दान करना चाहिए।

घेब्रेयसस ने कहा वैक्सीन की अधिकतम सप्लाई केवल अमीर देशों को हुई है, जहां कोरोना के कम जोखिम वाले लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है, जबकि गरीब देशों के अधिक जोखिम वाले लोग अभी भी वैक्सीन से महरूम हैं। यही वजह है कि गरीब देशों में टीके लगाने की दर काफी कम है।

स्पेन

प्रवासियों, शरणार्थियों को रोकने तैनात किए सैनिक

स्पेन ने मोरक्को से लगी सीमा पर गश्त करने के लिए सेउटा में सैनिकों को तैनात किया है। इसका

उद्देश्य प्रवासियों और शरणार्थियों को स्पेनिश एन्क्लेव में प्रवेश करने से रोकना है।

दरअसल पड़ोसी देश मोरक्को से 6 हजार से अधिक लोग स्पेनिश एन्क्लेव में प्रवेश कर गए, जिनमें 1500 नाबालिग हैं। ऐसे में सैनिक सेउटा के समुद्र तट की रखवाली कर रहे हैं।

सौरमंडल से भी पुराना प्लूटोनियम मिला

वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर की गहराइयों में प्लूटोनियम का ऐसा आइसोटोप खोज निकाला है जो कि हमारे सौरमंडल से भी कहीं ज्यादा पुराना है।

ऑस्ट्रेलियन न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन के वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्हें प्रशांत महासागर की गहराई में बहुत ही कम पाया जाने वाला प्लूटोनियम-244 मिला है, जो हमारे सौरमंडल के निर्माण से भी ज्यादा पुराना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अंतरिक्ष में करोड़ों साल पहले हुई ज्वलंत खगोलीय घटनाओं के अवशेष हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह घटना करीब 4.5 अरब साल पहले हुई थी, जबकि हमारे सौरमंडल का निर्माण भी नहीं हुआ था। ऐसा पहली बार है जब इस तरह का प्रमाणिक पदार्थ वैज्ञानिकों के हाथ लगा है। दरअसल, प्लूटोनियम का यह आइसोटोप रेडियोधर्मी है। जारी की गई एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि विभिन्न

अत्याधुनिक उपकरणों से इस आइसोटोप की जांच हुई। जांच के दौरान साक्ष्य मिले कि यह प्लूटोनियम एक ज्वलंत खगोलिया घटना के दौरान बना होगा।

महासागर में 5000 फुट नीचे पाया गया

शोधकर्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि प्लूटोनियम प्रशांत महासागर के तल के 5000 फुट नीचे पाया गया है। प्लूटोनियम का यह आइसोटोप रेडियोधर्मी है जिसकी हाफ लाइफ करीब आठ करोड़ साल से ज्यादा है। इसकी डेटिंग तकनीक से भी इस बात की पुष्टि हुई है कि यह सौरमंडल से भी पुराना है।

चीन का यान रोवर लेकर मंगल ग्रह पर उतरा

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने पुष्टि की कि मंगल ग्रह के लिए देश का पहला रोवर लेकर एक अंतरिक्ष यान 'लाल' ग्रह पर उतर गया है। इसके साथ ही चीन मंगल ग्रह पर रोवर उतारने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रोवर 'झुरोंग' का नाम चीन की पौराणिक कथा में अग्नि और युद्ध के देवता के नाम पर रखा गया है। यह रोवर मंगल ग्रह पर यूटोपिया प्लैनिशिया में पहले से चयनित इलाके में उतरा।

मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है, उसमें छह पहिए और चार सौर पैनल हैं। वह प्रति घंटे

200 मीटर तक घूम सकता है। इसमें छह वैज्ञानिक उपकरण हैं जिनमें बहुवर्णीय कैमरा, रडार और एक मौसम संबंधी मापक है। इसके मंगल ग्रह पर करीब तीन महीने तक काम करने की संभावना है। एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गए अंतरिक्ष यान 'तिआनवेन-1' का प्रक्षेपण 23 जुलाई, 2020 को किया गया था। सौर मंडल में और अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। सीएनएसए ने एक बयान में बताया कि उसका रोवर 'नौ मिनट की कठिन यात्रा' के बाद मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतर गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।